वर्ष-15, अंक-262
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

संघर्ष से ना घबराये कुछ पाना है तो धीरे - धीरे ही पा सकते है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मध्यप्रदेश कैबिनेट बैठक में हुआ रजिस्ट्रीकरण नियम लागू करने का फैसला

अब मप्र के लोग खुद ही बना सकेंगे जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश कैबिनेट ने मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू करने की स्वीकृति दी है। यह नियम भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा दिए गए प्रारूप पर आधारित है। नए नियमों के तहत डिजिटल रजिस्ट्रीकरण, इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणपत्र, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय डेटाबेस तैयार करना, और दत्तक, अनाथ, सरोगेट बच्चों व एकल माता-पिता से जुड़े रजिस्ट्रीकरण को सुगम बनाना शामिल है।

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू करने की मंजूरी दी गई। कृषकों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 11 के.वी. फीडर्स को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत (सोलराइजेशन) करने की स्वीकृति दी गई। इससे दिन में सिंचाई के लिए बिजली मिल सकेगी। वहीं संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को भी मंजूरी दी गई, जिससे 4.73 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, सिंहस्थ मेले के लिए क्षिप्रा नदी पर 29 किमी लंबे घाट निर्माण और धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू करने की सैद्धांतिक स्वीकृति भी दी गई।

गलत सर्टिफाइड करने पर होगी कार्रवाई मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू होने पर मध्यप्रदेश के लोग अब खुद ही सर्टिफाइड कर ऑनलाइन जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बना सकेंगे। इसके लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। गलत सर्टिफाइड करने पर संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई की जाएगी। जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियमों के अनुसार, जन्म प्रमाणपत्र जन्म की तारीख और स्थान का प्रमाण होगा। विशेष परिस्थितियों में मृत्यु प्रमाणपत्र तुरंत जारी करने के लिए उप-रजिस्ट्रार नियुक्त करने की व्यवस्था की गई है। विलंबित सूचना के लिए स्व-अनुप्रमाणित दस्तावेज और मजिस्ट्रेट के स्थान पर जिला मजिस्ट्रेट को आदेश देने का प्रावधान है।

किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली मिलेगी कैबिनेट ने 11 के.वी. फीडर्स को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत (सोलराइजेशन) करने की योजना को स्वीकृति दी है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली मिलेगी, जिससे लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम होगी। इस योजना के तहत प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट्स की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए केंद्र सरकार 1.05 करोड़ रुपए प्रति मेगावॉट की सहायता देगी।

क्षिप्रा नदी पर घाट निर्माण की स्वीकृति आगामी सिंहस्थ मेले के लिए क्षिप्रा नदी के तट पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक 29.215 किमी लंबे घाट निर्माण कार्य के लिए 778.91 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की लागत में संशोधन मंत्रिपरिषद ने पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की संशोधित लागत 28,798.02 करोड़ की स्वीकृति दी। इस परियोजना से 4.73 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, चंबल की मुख्य नहर प्रणाली के आधुनिकीकरण से 1,205 गांवों में 3.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा।

धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के 100 प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू करने की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई। इसमें ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं को समाहित किया जाएगा।

आयुष महाविद्यालयों में इंटर्नशिप और वेतन वृद्धि कैबिनेट ने शासकीय आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी महाविद्यालयों में इंटर्न और स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं की शिष्यवृत्ति को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जोड़ने का निर्णय लिया।

दुनिया भर के नेताओं ने जताया शोक, पीएम मोदी, शाह ने घर जाकर दी श्रद्धांजलि

गुरुवार (26 दिसंबर) की शाम एक ऐसी खबर आई जिसे सुनकर पूरा देश शोक में डूब गया। रात करीब 10 बजे खबर आई की पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नहीं रहे। गुरुवार रात 9 बजकर 51 मिनट पर उन्होंने दिल्ली के एआईआईएमएस में अंतिमि सांस ली। देर रात उनके पार्थिव को दिल्ली स्थित उनके आवास पर लाया गया। पूर्व पीएम के निधन पर दुनिया भर के नेताओं ने शोक प्रकट किया है। शुक्रवार(27 दिसंबर) की सुबह पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री जेपी नड्डा ने मनमोहन सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी।

आय से अधिक संपत्ति...एंबुलेंस और डॉक्टर्स लेकर पंचायत सचिव के घर पहुंची लोकायुक्त टीम

शुजालपुर। लोकायुक्तकी टीम ने गुरुवार को शुजालपुर सब-डिवीजन की कालापीपल तहसील के ग्राम पंचायत सचिव मुरलीधर शर्मा के तीन ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई। शर्मा देहरी घाट डोडी, सेमली खेड़ा और हरुखेड़ी में पदस्थ रहे हैं। उनके पास टाइल्स की दुकान और एक पेट्रोल पंप भी है। शर्मा देहरीघाट मंदिर ट्रस्ट के सचिव भी हैं और ज्योतिष का काम भी करते हैं। लोकायुक्त को उनके खिलाफ पहले से शिकायत मिली थी। एक साल पहले कीमती जमीन बेचने के बाद से जांच एजेंसियों की नजर उन पर थी। लोकायुक्त ने शर्मा के कालापीपल स्थित अंबिका कॉलोनी के मकान, ग्राम बमूलिया मुछाली के मकान और आष्टा व कोठड़ी के पास स्थित पेट्रोल पंप पर छापेमारी की। हालांकि, लोकायुक्त ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है। लेकिन सूत्रों के अनुसार, शर्मा पर काफी समय से नजर थी। लगभग एक साल पहले उन्होंने एक कीमती जमीन बेची थी, जिसके बाद से ही जांच एजेंसियों को उन पर शक था। इसके अलावा, लोकायुक्त में उनके खिलाफ पहले से ही शिकायत दर्ज थी।

गुरुवार तड़के 5 बजे से 12 लोगों की टीम ने आष्टा समेत बमुलिया मुछाली और कालापीपल में कार्रवाई की।

आय के स्त्रोतों पर सवाल मुरलीधर शर्मा लंबे समय तक देहरी घाट डोडी ग्राम पंचायत में सचिव रहे। वर्तमान में, वह सेमली खेड़ा और हरुखेड़ी में तैनात हैं। लोकायुक्त की जांच में उनके पास टाइल्स की दुकान और पेट्रोल पंप होने की जानकारी भी सामने आई है। इससे उनकी आय के स्त्रोतों पर सवाल उठ रहे हैं। क्या एक पंचायत सचिव की इतनी संपत्ति होना संभव है? यह सवाल लोकायुक्त की जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। सूत्रों के मुताबिक जिस पेट्रोल पंप पर लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई की है वो प्रहलाद सिंह मेवाढ़ा के नाम पर है। प्रहलाद, पंचायत सचिव का दोस्त है। जिस जमीन पर पेट्रोल पंप है वो पंचायत सचिव के परिवार के नाम पर है।

नौकरी तक ही सीमित नहीं काम शर्मा सिर्फ सरकारी नौकरी तक ही सीमित नहीं हैं। वे देहरीघाट के प्रसिद्ध मंदिर के ट्रस्ट के सचिव भी हैं। इसके अलावा, वे सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। कालापीपल में उनका एक ज्योतिष केंद्र भी है। यहां वे लोगों को भविष्य बताने का काम करते हैं। इन सभी गतिविधियों से उनकी आय कितनी होती है, यह भी जांच का विषय है। मुरलीधर शर्मा 1999 में पंचायत सचिव बने। वर्तमान में वे सेमलीखेड़ा और हरुखेड़ी में पदस्थ हैं।

स्थानीय पुलिस को जानकारी नहीं दी छापेमारी के दौरान लोकायुक्त टीम ने स्वास्थ्य विभाग की 108 एम्बुलेंस और दो डॉक्टरों की मदद ली। हालांकि, स्थानीय पुलिस को इस कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं दी गई। कालापीपल थाने के सब-इंस्पेक्टर रवि भंडारी ने कार्रवाई की जानकारी होने से इनकार किया है। कालापीपल की अंबिका कॉलोनी स्थित मकान पूर्व सरपंच छापरी के सुंदरलाल पाटीदार ने खरीदा था। यह मकान 2,000 वर्ग फीट का है

नए साल का जश्न मनाने विद्यार्थियों को मिली 6 दिन की छुट्टी

30 दिसंबर के बाद 6 जनवरी को खुलेंगे स्कूल

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को नए साल के स्वागत का जश्न मनाने के लिए छुट्टियां मिल गई हैं। प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शीतकालीन छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार के कोर्स वाले सरकारी और प्राइवेट स्कूलों तथा केंद्र सरकार के सीबीएसई, आईसीएसई कोर्स वाले स्कूलों में अलग अलग अवकाश अवधि की घोषणा की गई है। प्रदेश के केंद्रीय स्कूलों में जहां 9 और 10 दिन की छुट्टी रहेगी वहीं राज्य सरकार के स्कूलों में केवल 5 दिन की छुट्टी दी गई है। हालांकि रविवार पड़ जाने के कारण राज्य सरकार के स्कूली बच्चों का शीतकालीन अवकाश भी एक दिन और बढ़ गया है। ऐसे में 6 दिन की लगातार छुट्टी मिल रही है।

सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों में मंगलवार से शीतकालीन अवकाश शुरू हो गया। आईसीएसई से संबद्ध स्कूलों में 24 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 छुट्टी रहेगी। इस प्रकार 3 जनवरी से स्कूल खुलेंगे। एमपी के सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में 24 दिसंबर से 1 जनवरी 2025 तक का यानी 9 दिनों का शीतकालीन अवकाश रहेगा। अब 2 जनवरी 2025 को ये स्कूल खुलेंगे। मध्यप्रदेश के स्थानीय कोर्स के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 31 दिसंबर से 4 जनवरी 2025 तक का यानि 5 दिनों का शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। हालांकि 5 जनवरी को रविवार है इसलिए एक दिन का अवकाश बढ़ गया है। ऐसे में एमपी के सरकारी और प्राइवेट स्कूल 6 जनवरी 2025 से लगेंगे।

शिक्षा मंत्री बोले 500 टीचर नहीं जाते स्कूल,दूसरों को रखते हैं किराए पर

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल उन्होंने सार्वजनिक मंच से यह स्वीकार किया कि प्रदेश में कई शिक्षक स्कूल नहीं जाते और अपनी जगह दूसरों को पढ़ाने के लिए किराए पर रखते हैं। उनका कहना है कि वे व्यक्तिगत रूप से 500 ऐसे शिक्षकों को जानते हैं जो इस प्रकार की व्यवस्था चला रहे हैं। इस खुलासे के बाद शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भी मामले में सरकार को घेरा है। शिक्षा मंत्री के बयान के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि यह कितनी शर्म की बात है कि खुद मंत्री को पता है कि 500 शिक्षक स्कूल नहीं जाते, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए। जनकारी के अनुसार यह बयान उन्होंने रायसेन जिले में आयोजित अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी शिक्षा महाकुंभ में दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा असिस्टेंट रखना शिक्षा प्रणाली के लिए घातक है। उनका यह बयान शिक्षकों और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि अकेले उनके जिले में ही लगभग 100 शिक्षक ऐसे हैं, जो असिस्टेंट को पढ़ाने के लिए नियुक्त करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि 500 ऐसे शिक्षकों को वे व्यक्तिगत रूप से जानते भी हैं। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मंत्री यह स्वीकार करते नजर आ रहे हैं कि राज्य में कई शिक्षक स्कूल नहीं जाते और अपनी जिम्मेदारी किसी अन्य व्यक्ति को सौंप देते हैं। गौरतलब है क एमपी के सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठे हैं। प्रदेश में मंत्री के इस तरह के बयान से पचा चलता है कि शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही किस स्तर पर है। शिक्षकों का किराए पर पढ़ाने के लिए दूसरों को नियुक्त करना न केवल गैर कानूनी है, बल्कि नैतिकता के खिलाफ भी है।

आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

भोपाल। मध्यप्रदेश के परिवहन विभाग में आरक्षक रहे सौरभ शर्मा से जुड़े 54 किलो सोने, 11 करोड़ नकद और 200 किलो चांदी की बरामदगी के मामले में शर्मा ने गिरफ्तारी से बचने की चाल नाकाम हो गई। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। शर्मा ने भोपाल कोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश राम प्रसाद मिश्र के न्यायालय में हुई। लोकायुक्त के छापे की कार्रवाई के 7 दिन बाद सौरभ शर्मा ने अपना पक्ष रखा। सौरभ शर्मा के वकील ने अदालत में दलील दी कि आरोपी लोक सेवक नहीं है, उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। न्यायाधीश ने अपने आदेश में उसे लोक सेवक मानते हुए और अपराध की गंभीरता को देखते हुए अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया। सौरभ के वकील राकेश पाराशर ने कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लोकायुक्त की कार्रवाई को गलत बताया है। एडवोकेट राकेश पाराशर के मुताबिक, सौरभ लोकसेवक नहीं है। इसके बाद भी लोकायुक्त ने उसके घर छापा मारा। यह कार्रवाई पूरी तरह से गलत है। जिस कार में सोना मिला, वो उसके नाम नहीं है। इस सोने से भी उसका कोई लेना-देना नहीं है। शर्मा के खिलाफ जांच एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए लुक आउट नोटिस भी जारी किया जा चुका है, ताकि वह देश छोड़कर न भाग सके। भोपाल में आयकर विभाग और लोकायुक्त पुलिस ने आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान भोपाल के मेंडोरा जंगल में एक लावारिस इनोवा क्रिस्टा गाड़ी मिली थी। इस गाड़ी से 52 किलो सोना (कीमत लगभग 45 करोड़ रुपए), 200 किलो चांदी और 11 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए थे। जांच में पता चला कि यह गाड़ी चेतन सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है, जो सौरभ शर्मा का करीबी सहयोगी है।

भागवत के बयान से आरएसएस की पत्रिका ऑर्गनाइजर भी असहमत!

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों हर मस्जिद के नीचे मंदिर न खोजने की नसीहत दी थी। इसके अलावा उन्होंने कहा था कि कुछ राम मंदिर जैसे मामले खड़े करके हिंदुओं के नेता बनना चाहते हैं। ऐसा नहीं होने दिया जा सकता। मोहन भागवत के इस बयान पर विपक्ष ने भाजपा और अन्य संगठनों से इस पर अमल करने को कहा है। वहीं आरएसएस में अंदरखाने की मोहन भागवत के बयान से असहमति जताई जा रही है।

सोमनाथ से संभल तक की लड़ाई

सोमनाथ से संभल तक की लड़ाई से जोड़ दिया है। वहां अब जामा मस्जिद बनी है। उत्तरप्रदेश के इस ऐतिहासिक कस्बे में ऐसे आरोप ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। हिंदू मुस्लिम के विवाद पर सीमित रहने बजाय छद्म निरपेक्षों से सभ्ययतात न्याय के बारे में बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संभल से सोमनाथ तक और उससे भी आगे यह ऐतिहासिक सच की लड़ाई है। इसमें धार्मिक श्रेष्ठा के लिए संघर्ष वाली बात नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान को फिर से तैयार करने और सभ्यतागत न्याय की मांग करने जैसा है।

यह कहा था आरएसएस चीफ ने

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने बीते सप्ताह कहा था कि कुछ लोग तो इसी में जुटे हैं कि जगह-जगह राम मंदिर जैसे विवाद खड़े किए जाएं और उनके माध्यम से ही नेता बन लिया जाए। कुछ लोग ऐसे विवादों के जरिये ही अपनी हिंदू नेता की इमेज बनाना चाहते हैं। ऐसा स्वीकार नहीं किया जा सकता। पुणे में मोहन भागवत में सहजीवन पर आयोजित व्याख्यानमाला में ऐसी टिप्पणी की थी। उनके इस बयान पर हिंदू समाज के ही कई संतों ने ऐतराज जताया है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और रामभद्राचार्य ने आपत्ति जताई है। यहां तक कि भाजपा सांसद साक्षी महाराज का भी कहना है कि कौन नहीं जानता कि मंदिरों को तोड़कर ही मस्जिदें बनाई गई हैं।

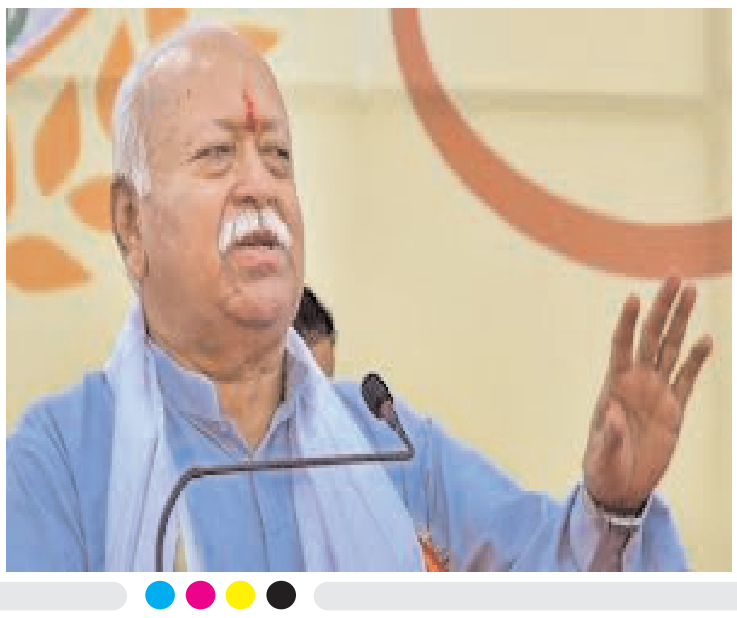

2024 रहा खास...इंदौर को मिले पांच ब्रिज, नए बस स्टैंड भी बनकर तैयार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। साल 2024 इंदौर के लिए खास रहा। बीत रहे साल ने शहरवासियों की राह आसान की। पांच ब्रिजों के कारण शहर के चौराहों पर अब जाम नहीं लगेगा। खजराना मंदिर के लिए जाने के लिए भी लाल बत्ती पर इंतजार नहीं करना होगा। इस व्यस्त चौराहे पर ब्रिज बनकर तैयार हो गया। इसके अलावा दो नए बस स्टेशन भी बनकर तैयार हो चुके है। फिलहाल इंदौर में पांच नए ब्रिज भी बन रहे है, जो अगले साल तक पूरे हो जाएंगे। इंदौर से उज्जैन को जोड़ने वाले मार्ग के सबसे व्यस्त लवकुश चौराहे पर डबल डेकर ब्रिज बनाया जा रहा है। ब्रिज का एक हिस्सा खोला जा चुका है। सांवेर रोड पर जो ब्रिज तैयार हो रहा है। उसका निर्माण जारी है। वह अगले साल तक बन जाएगा। यह ब्रिज जमीन से 70 फीट ऊंचाई पर बन रहा है। दोनो ब्रिजों के निर्माण पर 100 करोड़ रुपये खर्च हो रहे है।

हर क्षेत्र में एक ब्रिज तैयार

इंदौर विकास प्राधिकरण ने इंदौर के हर क्षेत्र में एक ब्रिज की सौगात दी। भंवरकुआ चौराहा, खजराना चौराहा, लवकुश चौराहा के अलावा खजराना चौराहा पर भी ब्रिज ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया। इसके अलावा राऊ चौराहे का छह लेन ब्रिज भी ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया। अब निरंजनपुर चौराहा, मुसाखेड़ी चौराहा और आईटी पार्क चौराहे पर ब्रिज बनाया जा रहा है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एमआर-10 जंक्शन पर ट्रिपल लेयर ब्रिज बना रहा है। यह भी अगले साल तैयार हो जाएगा।

दो नए बस स्टैंड तैयार

इंदौर विकास प्राधिकरण ने नायता मुंडला और कुमेर्डी में नया बस स्टेशन तैयार किया है। एक बस स्टेशन से बसों का संचालन भी शुरू हो चुका है, जबकि कुमेर्डी बस स्टेशन नए साल में शुरू हो जाएगा। इस स्टेशन पर एक हजार से ज्यादा बसों की आवाजाही की है। सिंहस्थ मेले के समय यह स्टेशन बड़ा मददगार साबित होगा,क्योकि यहां से उज्जैन की बसों का संचालन किया जाएगा।

डबल डेकर ब्रिज के लिए गर्डर लॉन्च, 247 गर्डर जोड़कर बनेगा ब्रिज

इंदौर में मध्यप्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज के दूसरे हिस्से का काम शुरू हो चुका है। इसकी ऊंचाई जमीन से 70 फीट है। इसके लिए गर्डर लॉन्च करने का काम शुरू हो गया। बुधवार देर रात पहली गर्डर पिलरों पर रखी गई। अब हर दिन एक-एक कर 247 गर्डर लांच की जाएगी। इसके बाद ब्रिज पर बेस बनाने का काम शुरू होगा। लवकुश चौराहे पर आकार ले रहे डबल डेकर ब्रिज में से एक ब्रिज तैयार हो चुका है। उसे यातायात के खोला जा चुका है। नया ब्रिज उस ब्रिज और मेट्रो ट्रेक के 20 फीट उपर से क्रॉस होगा। डेढ़ सौ करोड़ की लागत से इस ब्रिज का निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण करा रहा है। पिलरों पर गर्डर रखने के लिए विशेष क्रेन की मदद ली जा रही है। लवकुश चौराहे पर दिनभर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। इस कारण देर रात गर्डर रखने का काम शुरू किया गया। एक गर्डर का वजन 12 टन है। कुल तीन हजार टन के गर्डर पिलरों पर रखे जाएंगे। नए साल में ब्रिज का निर्माण पूरा हो जाएगा। इस तरह का डबल डेकर ब्रिज अभी तक प्रदेश में किसी भी शहर में नहीं बना है। इंदौर में अब राजीव गांधी प्रतिमा चौराहा पर भी डबल डेकर ब्रिज के लिए प्राधिकरण सर्वे करा रहा है। यहां भी ट्रैफिक का काफी दबाव रहता है।

ये नई सौगातें मिली शहर को

* राजेंद्र नगर में लता मंगेश्कर सभागृह शुरू हुआ। इसकी क्षमता एक हजार दर्शकों की है।

-शहर में डबल डेकर बसों के संचालन की शुरूआत हुई। ट्रायल के तौर पर दो बसें चली। 50 नई इलेक्ट्रिक बसें इंदौर को मिली।

* शहर में दूसरे मॉडल रोड का काम शुरू हुआ। यह मार्ग रीगल तिराहा से नेहरु प्रतिमा तक बनेगा।

गौरक्षकों पर गैर इरादतन हत्या का प्रयास समेत कई मामले दर्ज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में अतिक्रमण निरोधक अभियान के तहत गायों का अवैध बाड़ा हटाए जाने के दौरान हुए विवाद में तीन नगर निगम कर्मियों के घायल होने के बाद पुलिस ने गोरक्षकों पर बलवा, गैर इरादतन हत्या का प्रयास और अन्य संगीन आरोपों में मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नगर निगम के एक पीड़ित कर्मचारी की शिकायत पर विजय कालखोर, संजय महाजन और तेज सिंह राठौर व अन्य लोगों पर नगर निगम कर्मचारियों को गालियां देने, डंडों से मारपीट करके उन्हें घायल करने, नगर निगम की गाड़ियों में तोड़-फोड़ करके सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(3) (घातक हथियारों से लैस होकर बलवा करना), धारा 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), धारा 115(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना), धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला) और अन्य प्रावधानों के तहत बुधवार रात दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि दत्त नगर में बुधवार की सुबह गायों का एक अवैध बाड़ा हटाए जाने के दौरान हुए विवाद में नगर निगम के तीन कर्मचारी घायल हो गए थे। सोशल मीडिया पर घटना के कुछ वीडियो सामने आए जिनमें कुछ लोग डंडों से उन गाड़ियों के शीशे तोड़ते दिखाई दे रहे हैं जिनके जरिये बाड़े की गायों को नगर निगम की गोशाला ले जाया जा रहा था। गायों का बाड़ा हटाए जाने का विरोध बजरंग दल की अगुवाई में किया जा रहा था।

बजरंग दल बिफरा

गौरक्षकों पर मामला दर्ज होने के बाद बजरंग दल की स्थानीय इकाई के संयोजक प्रवीण दरेकर ने दावा किया कि नगर निगम कर्मचारियों से मारपीट में उनके संगठन के कार्यकर्ता शामिल नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दत्त नगर में करीब 30 साल पुरानी गोशाला की गायों को नगर निगम की गोशाला ले जाए जाने के दौरान एक गाड़ी में कथित रूप से 20-25 गायों को ठूंस-ठूंस कर रखा गया था जिससे कई गायें घायल हो गईं। बजरंग दल के नेता ने कहा कि गौमाता पर इस अत्याचार के कारण (मौके पर मौजूद) हिंदू समाज के लोग आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने कहा कि गौरक्षकों और गोशाला चलाने वाले एक संत की ओर से नगर निगम कर्मचारियों के खिलाफ मारपीट और पशु क्रूरता के आरोपों में पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई है और नगर निगम कर्मचारियों के खिलाफ भी प्राथमिकी पंजीबद्ध की जानी चाहिए।

निगम कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पहुंचा बजरंग दल

पशु छुड़ाने के दौरान नगर निगम कर्मचारियों के साथ मारपीट करने वाले बजरंग दल के पदाधिकारी रात को घायल कर्मचारियों के खिलाफ ही शिकायत दर्ज कराने पहुंच गए, हालांकि पुलिस ने कर्मचारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज नहीं किया है। रात को अन्नपूर्णा थाने पहुंचे बजरंग दल के पदाधिकारियों ने लिखित शिकायत की। उन्होंने कहा कि रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे अवैध वसूली करता है। दत्त नगर की गौशाला के सेवक से भी अवैध वसूली की जा रही थी। पैसे नहीं देने पर गौशाला तोड़ दी। बजरंगियों ने यह भी कहा कि गायों को वाहन में ठूस ठूस कर भरा गया। जब हमने आपत्ति ली तो कर्मचारियों ने खुद के वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। आपको बता दे कि बबलू कल्याणे खुद पिटाई के कारण घायल हुए है और अस्पताल में भर्ती किया गया। गुरुवार को मेयर पुष्य मित्र भार्गव उन्हें अस्पताल देखने पहुंचे। गौशाला के संत जीवनराम ने कहा कि अब वे गोवंश को लेकर इंदौर से पलायन कर रहे है। जिस जमीन पर गोशाला है। वह इंदौर विकास प्राधिकरण की जमीन है। वहां पर कुछ भूमाफिया कब्जा करना चाहते है। इस कारण साजिश के तहत हमारी गौशाला को नगर निगम ने तोड़ा। नगर निगम कर्मचारियों और बजरंग दल कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट मामले में कांग्रेस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. अमीनल खान सूरी ने सोशल मीडिया पर बजरंग दल को आतंकी संगठन बताया है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कांग्रेस नेता के ट्वीट के बाद बजरंग दल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि, सूरी का बयान मुस्लिम नेता का दर्द है। उन्होंने दावा किया कि बजरंग दल लव जिहाद के मामलों पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई कर रहा है। जिससे उनके खिलाफ षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। बजरंग दल ने सूरी पर संगठन को बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की बात कही है।

नेता प्रतिपक्ष का आरोप- देर से दर्ज किए केस

घटना को लेकर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि हमले के बावजूद मामले में आपराधिक प्रकरण दर्ज होने में देरी हुई है। उन्होंने महापौर की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें घटना के बाद तत्काल प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी और मौके पर पहुंचकर निगम की टीम का हौसला बढ़ाना चाहिए था। वहीं महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस घटना पर कहा कि नगर निगम का अमला शहर के विकास और जनसुविधाओं के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने में संकल्पित है। निगम कर्मचारियों पर हमला अनुचित है और मैंने मामले की जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नगर निगम इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रहा है।

भाजपा कार्यालय पर वीर बाल दिवस के अवसर पर शबद कीर्तन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर गुरुवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर शबद कीर्तन, प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया सर्वप्रथम नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे श्री गुरु सिंह सभा के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत सिंह टुटेजा सहित सिख समाज जन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर साहबजादों के शौर्य को समर्पित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया उसके पश्चात पार्टी कार्यालय पर शबद कीर्तन एवं अरदास की गई।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने कहा कि साहबजादों के बलिदान की गाथा को सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं एक साहबजादे की उम्र 6 वर्ष से कम और एक की 8 वर्ष आयु में मुगलों द्वारा दी गई यातनाएं सहना और अपने प्राण न्योछावर करना स्वीकार किया लेकिन धर्म परिवर्तन करना अस्वीकार करते हुए कहा कि हमारे गुरुओं ने धर्म परिवर्तन करना नहीं सिखाया यह एक आयोजन नहीं है यह एक ऐसी गाथा है जिसे हम सभी को अपने परिवारजन और खास कर बैठे बेटियों आने वाली पीढ़ियों को अवश्य बताना चाहिए की कौन थे वह साहबजादे जिनकी कुबार्नीयों के कारण आज हम जय श्री राम और वाहेगुरु जी का जयकारा लगा पा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता सुरजीत सिंह टुटेजा ने कहा कि आज हम चारों साहबजादों की शहादत को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं पहले इतिहास के साथ खिलवाड़ किया गया और गुरुओं के बलिदान और इतिहास को सही ढंग से देश के लोगों को नहीं बताया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी द्वारा पिछले दो वर्षों से वीर बाल दिवस के माध्यम से साहबजादों के बलिदान को बड़े स्तर पर देश में मनाना प्रारंभ किया है वीर साहबजादों की गाथा को सुनाते हुए टूटेजा ने कहा कि हमें इसे गाथा का अनुभव करना है उस दुख उस पीड़ा एवं बर्बरता व अत्याचार का जख्म हमें गहरा रखना है कि भविष्य में अगर कोई आक्रांता ऐसी हिमाकत करें तो सूर्य की तरह यह जख्म निकलकर अंधकार का खात्मा कर दे। इस अवसर पर गौरव रणदिवे, वरिष्ठ नेता कृष्णमुरारी मोघे, एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह गुड्डू, कार्यक्रम संयोजक मनदीप बाजवा, ऋषि सिंह खनूजा,सिख समाज अध्यक्ष हरपाल सिंह मोनू भाटिया, सुरजीत सिंह टुटेजा,सीटू छाबड़ा,त्रिलोक सिंह भाटिया,लकी छाबड़ा,गोल्डी भाटिया बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एमवाय अस्पताल में भर्ती कैदी ने बाथरुम में फांसी लगाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एमवाय अस्पताल में एक कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह रेप के आरोप में जेल में बंद था। आरोपी भर्ती होने के दौरान भी पुलिस अभिरक्षा में था और उसके हाथ में हथकड़ी रहती थी। उसने आत्महत्या के लिए अस्पताल के बाथरुम को चुना कपड़े से फंदा बनाकर वह फांसी पर लटक गया। बीते एक सप्ताह से वह हर्निया की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती था। पुलिस के अनुसार राजस्थान के चापड़ा गांव में रहने वाला महेंद्र सिंह रेप के आरोप में बंद था। उसे 16 नवबंर को सेंट्रल जेल भेजा गया था। हर्निया के इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती किया गया था। बीती रात उसे तेज दर्द उठा था और दर्द के कारण चीख भी रहा था। इसकी जानकारी वार्ड में तैनात गार्ड ने डाक्टरों को दी थी। रात को दर्द कम होने की दवाई उसे दी गई थी। सुबह महेंद्र उठा और उसने बाथरुम में जाकर फांसी लगा ली। जब वार्ड के दूसरे मरीज बाथरुम में गए तो उन्होंने महेंद्र को फांसी के फंदे पर लटके देखा और पुलिस को सूचना दी। संयोगितागंज पुलिस ने मर्ग कायम की जांच शुरू कर दी है। सेंट्रल जेल प्रशासन ने कैदी के परिजनों को सूचना दी है। पुलिस का कहना है कि जेल में बंद रहने और बीमारी की वजह से वह काफी तनाव में था। इस कारण उसने आत्महत्या कर ली।

संघ के शताब्दी वर्ष की शुरुआत होगी इंदौर से, जय घोष की तैयारियां शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नए साल में शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसकी शुरूआत के लिए संघ ने इंदौर को चुना है। तीन जनवरी की इंदौर के दशहरा मैदान में जय घोष कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल होंगे।आयोजन में संघ से जुड़े मोहन भागवत के विचार भी सुनन को मिलेंगे। इस कार्यक्रम में मालवा प्रांत के एक हजार स्वयंसेवक जयघोष में हिस्सा लेंगे।उससे पहले 31 दिसंबर से तीन दिवसीय शिविर भी लगेगा। भागवत के समक्ष स्वयंसेवक अपनी प्रस्तुती देंगे।

इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई है। गुरुवार को वादक कलाकारों ने मैदान पर इसका अभ्यास किया।यह कार्यक्रम मालवा प्रांत में पहली बार होगा। इसके बाद शताब्दी समारोह के अन्य आयोजन देश के दूसरे हिस्सों में होंगे। इस कार्यक्रम में इन्दौर महानगर के स्वयंसेवकों के परिवार भी उपस्थित रहेंगे। साथ ही शहर के गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाएंगे। जिनमें शिक्षाविद, उद्योगपति, चिकित्सक, प्रोफेशनल्स, खिलाड़ी,कलाकार,व्यवसायी आदि सम्मिलित रहेंगे। करीब 15 हजार लोग आमंत्रित किए जाएंगे। इंदौर में आठ माह पहले संघ की बड़ी बैठक हुई थी। इसमें इंदौर के आयोजन की रुपरेखा तय की गई थी। संघ ने बैठक में यह भी तय किया कि वर्षभर होने वाले आयोजन सादगी से मनाए जाएंगे। कार्यक्रमों के माध्यम से संघ को मजबूत किया जाएगा।

1459 असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर निकलेगी वैकेंसी

इंदौर। मध्यप्रदेश के शासकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के खाली पदों पर भर्ती के लिए लोक सेवा आयोग इसी माह अधिसूचना जारी करने वाला है। इस बार कुल 1459 पदों के लिए भर्ती की जाएगी, जिसमें सबसे ज्यादा 158 पद केमेस्ट्री विषय के हैं। पिछली बार दिसंबर 2022 में आई वैकेंसी में सबसे अधिक 200 पद अंग्रेजी विषय के थे, जबकि इस बार अंग्रेजी में 96 पद उपलब्ध हैं। छह विषयों में केवल एक-एक पद होगा, और कुछ विषयों जैसे लॉ में एक भी पद नहीं है। पिछली बार 1669 पदों के लिए अधिसूचना जारी की गई थी, जबकि इस बार संख्या कम है। अंतिम समय में 150 पद और जोड़े जाने की संभावना है। इस बार लाइब्रेरियन के लिए कोई पद नहीं है, जबकि पिछली बार 255 पद थे। कुल 35 विषयों के लिए पिछली अधिसूचना आई थी, जबकि इस बार 26 विषयों के लिए जारी होगी। स्पोर्ट्स ऑफिसर के 128 पद उपलब्ध हैं, जबकि बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषय अभी अधिसूचना में शामिल नहीं हैं, लेकिन अंतिम समय में इन पदों को जोड़ा जा सकता है। उच्च शिक्षा विभाग में कुल 12,389 स्वीकृत पद हैं, जिनमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्पोर्ट्स ऑफिसर और लाइब्रेरियन शामिल हैं। वर्तमान में लगभग 6,823 पदों पर फैकल्टी कार्यरत हैं, जबकि 5,566 पद खाली हैं। इनमें से 2,053 पदों की परीक्षा हो चुकी है और आगामी दिनों में 1,542 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।

मध्यप्रदेश में बनेंगे पांच हाईवे, रॉकेट की रफ्तार से दौड़ेंगी गाडियां

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़क निर्माण की बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन परियोजनाओं से भोपाल, उज्जैन, इंदौर, सागर, दमोह और विदिशा जैसे शहरों को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। 2028 के सिंहस्थ महाकुंभ से पहले इन परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य है। इससे कई राज्यों को भी फायदा होगा। सरकार इन परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार राज्य में सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है। इनमें एक्सप्रेस-वे, ग्रीन फील्ड हाईवे और मौजूदा सड़कों को चौड़ा करना शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य के भीतर और पड़ोसी राज्यों के साथ बेहतर संपर्क प्रदान करना है। 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ से पहले इन परियोजनाओं को पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

भोपाल और विदिशा हाईवे

भोपाल और विदिशा के बीच एक नया हाईवे बनेगा। इससे भोपाल और कानपुर के बीच की यात्रा का समय घटकर 7 घंटे रह जाएगा। यह भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा है। इस कॉरिडोर के निर्माण पर 11300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे भोपाल और विदिशा के बीच की दूरी भी लगभग 20 किलोमीटर कम हो जाएगी। इस कॉरिडोर से लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जाना भी आसान हो जाएगा। इंदौर और उज्जैन के बीच एक नया फोरलेन ग्रीन फील्ड हाईवे बनाया जाएगा। यह हाईवे लगभग 48 किलोमीटर लंबा होगा और इसकी लागत लगभग 1370 करोड़ रुपये होगी। इसके अलावा, उज्जैन सिंहस्थ बायपास को टू लेन से फोरलेन में बदला जाएगा। इस 20 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण पर 701 करोड़ रुपये खर्च होंगे। चिंतामन गणेश मंदिर से इंदौर एयरपोर्ट तक लगभग 70 किलोमीटर का नया मार्ग भी बनेगा। यह प्रोजेक्ट दो चरणों में पूरा किया जाएगा।

उज्जैन और जावरा हाईवे

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का 247 किलोमीटर का हिस्सा मध्य प्रदेश से होकर गुजरता है। इस एक्सप्रेस-वे से बेहतर संपर्क के लिए उज्जैन और जावरा के बीच 102 किलोमीटर लंबा सिक्स लेन ग्रीन फील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे बनाया जा रहा है। यह हाईवे मध्य प्रदेश को राजस्थान और गुजरात से जोड़ेगा।

सागर और दमोह हाईवे

सागर और दमोह के बीच 77 किलोमीटर लंबी टू लेन सड़क को फोरलेन में बदला जाएगा। इस परियोजना पर 2100 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे बुंदेलखंड क्षेत्र में लॉजिस्टिक और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह भारत माला परियोजना का हिस्सा है।

विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम

ये सभी परियोजनाएं मध्यप्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये न केवल यातायात को सुगम बनाएंगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगी और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी।

वीर बाल दिवसः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु गोविंद सिंह और उनके परिवार के बलिदान को किया याद

26 दिसंबर के अलावा किसी और दिन बाल दिवस मनाना गलत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में वीर बाल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु गोविंद सिंह जी के साहस और बलिदान को याद करते हुए कहा कि ऐतिहासिक घटना को स्मरण करें तो आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी और उनके परिवार ने जो बलिदान दिया, वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुगलों ने हिंदू धर्म के लिए कठिन परीक्षाएं खड़ी कीं, लेकिन गुरु गोविंद सिंह जी के बच्चों ने स्वाभिमान और देश की गरिमा को बचाने के लिए अपना बलिदान दिया। छोटे बच्चों को दीवार में चुनवा दिया गया, जो इतिहास की सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है। उनकी वीरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है, ताकि नई पीढ़ी उनके बलिदान को याद रखे। सीएम यादव ने प्रार्थना करते हुए कहा कि जीवन में ऐसी दुर्दांत घटनाएं फिर कभी न घटें। हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उधर, सीएम डॉ. मोहन ने भोपाल के हमीदिया गुरुद्वारा में गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान दिवस पर मत्था टेकने के बाद कहा कि 26 दिसंबर के अलावा किसी और दिन बाल दिवस मनाने को समाज की गलती बताया। उन्होंने गुरुवार को कहा, हमारे समाज ने पहले गलती की थी कि किसी दूसरे दिन बाल दिवस मनाया जाता था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस 26 दिसंबर को मनाने का ऐलान कर उस गलती को सुधारा है। बता दें, देशभर में हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देने का दिन होता है।

गुरुद्वारे में मत्था टेका, गुरु वाणी सुनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीर बाल दिवस पर हमीदिया रोड गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका।

उन्होंने साहिबजादों के बलिदान का स्मरण किया और गुरु वाणी सुना। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में जो बोले सो निहाल- सत श्री अकाल के उद्घोष के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए विशेष है। गुरु गोविंद सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन, धर्म-समाज और देश के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे महान व्यक्तित्व का यह सौभाग्य था कि उनके परिवार ने भी देश के लिए बलिदान किया। यह इतिहास की अद्वितीय घटना है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करतारपुर साहिब के दर्शन की व्यवस्था की और आज के दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री गुरुवार को कैबिनेट बैठक के पहले राजधानी के भारत भवन में वीर बाल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में सिख समाज के धर्म गुरु भी मौजूद रहे।

डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता जय राम रमेश के ट्वीट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शब्द भले ही जयराम रमेश के हैं, लेकिन उसके पीछे के भाव राहुल गांधी और कांग्रेस परिवार के हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जहां विकास का काम हुआ, गरीबों के लिए काम हुआ और हमारे संकल्पों की पूर्ति हुई और समाज साथ आया। वहीं कांग्रेस के पेट में दर्द शुरू हो जाता है और यह इस बात का प्रमाण है कि जयराम रमेश बोल रहे हैं... लेकिन जयराम रमेश के ट्वीट के पीछे के यह पूरे भाव राहुल गांधी के हैं और कांग्रेस परिवार के यह शब्द हैं। इनकी लाइन ही विकास विरोधी है। मैं कांग्रेस से पूछता हूं कि वो बुंदेलखण्ड में हो रहे विकास कार्यों के साथ हैं या विरोध में? प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा केन बेतवा लिंक परियोजना का विरोध बुंदेलखंड की जनता का अपमान है। यह केवल विकास की परियोजना नहीं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठान हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता जवाब दें क्या वह जयराम रमेश के ट्वीट से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को बधाई देना चाहता हूं। माननीय प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड की धरती पर केन बेतवा लिंक परियोजना का अटल जी की जन्म जयंती पर शुभारंभ कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। कल ऐतिहासिक कार्यक्रम हुआ, जनसैलाब उमड़ा था, लेकिन दुर्भाग्य है कि कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने इस योजना का ट्वीट करके विरोध किया। उससे साबित होता है कि कांग्रेस न सिर्फ विकास विरोधी है, बल्कि गरीबों के जीवन में बदलाव न आए कांग्रेसी ये चाहती है। जिस प्रकार से जयराम रमेश ने ट्वीट किया है, उन्होंने और कांग्रेस ने बुंदेलखंड की जनता का अपमान किया है। बुंदेलखंड की दशा और दिशा इस परियोजना से बदलने वाली है। यह केवल विकास की परियोजना नहीं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठान है। बुंदेलखंड के कांग्रेस नेताओं को कहना चाहता हूं कि क्या आप जयराम रमेश के ट्वीट का समर्थन करते हैं नहीं तो आप जवाब दीजिए। बुंदेलखंड के जीवन बदलने की आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी जी ने रखी है।

दिल्ली के एक्यूआई को भोपाल दे रहा टक्कर, 300 पार आंकड़ा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल. नवंबर में भोपाल एमपी का चौथा सबसे प्रदूषित शहर रहा। नरसिंहपुर, ग्वालियर और सिंगरौली भोपाल से भी ज्यादा प्रदूषित रहे। यह जानकारी 20 दिसंबर को विधानसभा में दी गई। ठंड के मौसम को प्रदूषण का एक बड़ा कारण बताया गया। भोपाल का एक्यूआई कई बार 300 के पार भी गया। सरकार ने फसलों के अवशेष जलाने, वाहनों से होने वाले प्रदूषण, कचरा जलाने, कोयले के तंदूर और भट्टियों के इस्तेमाल, निर्माण कार्य, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट के अनुचित संग्रहण और प्रबंधन, प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक जाम, उद्योगों से उत्पन्न प्रदूषण और औद्योगिक एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों में सड़कों की नियमित सफाई न होने को भी प्रदूषण के बढ़ने के कारणों में शामिल किया। एमपी विधानसभा में 20 दिसंबर को दिए गए जवाब के अनुसार नवंबर 2023 में भोपाल राज्य का चौथा सबसे प्रदूषित शहर रहा। भोपाल का औसत एक्यूआई 197 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। हालांकि, भोपाल का एक्यूआई कई बार 300 के आंकड़े को पार कर गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। राज्य सरकार ने ठंड के मौसम को भोपाल में बढ़ते एक्यूआई और वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराया है। नवंबर में सिंगरौली 264 के एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित शहर रहा, जो खराब श्रेणी में आता है। इसके बाद ग्वालियर का एक्यूआई 242 और नरसिंहपुर का एक्यूआई 214 दर्ज किया गया, जो दोनों खराब श्रेणी में आते हैं। खराब एक्यूआई का मतलब है कि लंबे समय तक इससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

इस कारण से एक्यूआई में हुआ बदलाव

सरकार ने बताया कि सर्दियों में शहरों में एक्यूआई के स्तर में वृद्धि वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण होती है। ठंड के मौसम में तापमान में गिरावट के कारण तापमान उलट जाता है। इसमें ठंडी हवा के फैलाव की दर कम हो जाती है, जिससे वायु प्रदूषण ऊपर नहीं उठ पाता। तापमान में कमी के कारण वातावरण में गैसों का फैलाव भी कम हो जाता है, जिससे एक्यूआई में वृद्धि होती है। सरल शब्दों में कहें तो, ठंडी हवा प्रदूषकों को जमीन के पास फँसा देती है, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। हालांकि, सरकार ने सिर्फ ठंड के मौसम को ही प्रदूषण का कारण नहीं बताया। कई अन्य कारकों को भी इसके लिए जिम्मेदार माना गया है। इनमें फसलों के अवशेष जलाना, वाहनों से निकलने वाला धुआं, कचरा जलाना, कोयले से चलने वाले तंदूर और भट्टियों का उपयोग, सड़क और फ्लाईओवर जैसे निर्माण कार्य, निर्माण और विध्वंस से निकलने वाले कचरे का अनुचित संग्रहण और प्रबंधन, प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक जाम, उद्योगों से निकलने वाला प्रदूषण और औद्योगिक तथा व्यावसायिक क्षेत्रों में सड़कों की नियमित सफाई न होना शामिल हैं। इन सभी गतिविधियों से हवा में प्रदूषक तत्व बढ़ते हैं, जिससे एक्यूआई का स्तर ऊपर जाता है।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत बोले- दिग्विजय को कोई गंभीरता से नहीं लेता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी। एक फिल्म का डायलॉग था- जिसके मकान शीशे के होते हैं, वे दूसरे के यहां पत्थर नहीं फेंका करते। मध्यप्रदेश सरकार में खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुरुवार को भोपाल में यह बात कहीं। वे भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हॉल में मंथन-2024 में हिस्सा लेने पहुंचे थे। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा मामले के बहाने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंत्री राजपूत पर आरोप भी लगाए थे। इन्हीं आरोपों पर गुरुवार को मंत्री राजपूत ने खुलकर जवाब दिया। मंत्री राजपूत ने कहा, दिग्विजय सिंह की पत्रकारवार्ता को कोई गंभीरता से नहीं लेता। प्रदेश में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब के वन मंत्री और वर्तमान के विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दिग्विजय सिंह पर क्या कहा था, यह यू-ट्यूब पर सर्च करके देखा जा सकता। जांच एजेंसी स्वतंत्र है। वह अपना काम कर रही है। एजेसियां किसी के अधीन नहीं होती। दिग्विजय सिंह की बात का जवाब दे दिया है। अब नो कमेंट्स...।

दिग्विजय ने कहा था कि गोविंद राजपूत को परिवहन विभाग देने का दबाव था

भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के यहां हुई छापेमारी में मिले कैश, गोल्ड और अन्य संपत्तियों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है। वहीं, इस केस से लोकायुक्त को हटाए जाने की मांग की थी। साथ ही कहा था कि कमलनाथ सरकार में ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरफ से गोविंद सिंह राजपूत को परिवहन और राजस्व विभाग देने का दबाव था। इन विभागों को लेकर इतना दबाव क्यों बनाया गया था, यह तो सिंधिया जी ही बता सकते हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा था कि जब कमलनाथ की सरकार बनी थी, तब उन पर ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरफ से दबाव था कि परिवहन और राजस्व विभाग गोविंद सिंह राजपूत को दिया जाए। इसके बाद हमारी सरकार ने एक बोर्ड का गठन किया था, जो यह फैसला करता था कि कहां किसकी पोस्टिंग होगी।

भोपाल के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर टूटी मिली पटरी, तुरंत सुधारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक दुर्घटना होने से टल गई। यहां प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर पटरी टूट गई थी। जिसे वेंडर ने देखा और वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। करीब 35 मिनट में इंजीनियरों की टीम ने पटरी सुधार दी। इसके बाद ट्रेनें गुजरने लगी। रेलवे के मुताबिक, गुरुवार सुबह 11.15 बजे प्लेटफॉर्म नं-2 के ट्रैक पर रेल फ्रैक्चर (पटरी टूटने) की घटना सामने आई। रेलवे वेंडर जितेंद्र ने इसे सबसे पहले देखा और तुरंत उप-स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) जावेद अंसारी को सूचित किया। अंसारी ने तत्काल स्टेशन प्रबंधक आरके मिश्रा और वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। इसके बाद इंजीनियरिंग टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। जिसने सुबह 11.50 बजे तक रेल फ्रैक्चर को ठीक कर दिया। उधर, भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 की तरफ पॉर्सल ऑफिस के पास रेलवे ने नया गेट बनाया है। यहां से यात्री अंदर आ-जा सकेंगे। बता दें कि स्टेशन के बाहर मेट्रो का काम चल रहा है। इसके चलते सड़क बंद की गई है और यात्रियों को गुजरने में परेशानी हो रही थी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया, यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे स्टेशन बिल्डिंग से पार्सल कार्यालय की ओर एक नया प्रवेश और निकास द्वार बनाया गया है। स्टेशन में प्रवेश के लिए होटल रेडसी की ओर से प्लेटफॉर्म नं-6 की साइड स्टेशन में प्रवेश किया जाएगा।

आउटसोर्स-अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन 7 जनवरी को

भोपाल। न्यूनतम वेतन, नौकरी में सुरक्षा की मांग को लेकर आउटसोर्स व अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने 7 जनवरी 2025 को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का आव्हान किया है। श्रमिक कलेक्टोरेट के सामने इकट्ठा होंगे और नारेबाजी करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर या उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपेंगे। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा बताते हैं कि 3 दिसंबर को हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन पर लगी रोक हटा दी है। इसके बाद भी श्रम विभाग एरियर सहित न्यूनतम वेतन भुगतान के आदेश जारी नहीं कर रहा है। इससे 35 लाख से अधिक कर्मचारी-श्रमिक प्रभावित हो रहे हैं और उनमें सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि चरणबद्ध आंदोलन चलाया जा रहा है। वे बताते हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 में सभी संस्थाओं को श्रमिक का कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में पंजीयन कराना और अंशदान जमा करना अनिवार्य किया है। ऐसा न करने पर संबंधित संस्था के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है पर श्रमिक को उसका अधिकार नहीं मिल रहा है और श्रम विभाग कुछ नहीं कर रहा है।

नए साल के लिए मप्र के सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन हो गए फुल...

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अंग्रेजी नए वर्ष 2025 को आने में अब सिर्फ 5 दिन बचे हैं। पुराने साल की विदाई और नए वर्ष के स्वागत के लिए लोगों में उत्साह है। ऐसे में सबसे ज्यादा डिमांड पर्यटन स्थलों की है। मध्यप्रदेश में कुछ ऐसे स्पॉट हैं जहां जाने के लिए लोग बेताब हैं। लेकिन यहां अधिकांश होटल, लॉज बुक हो चुके हैं। हम आपको बता रहे हैं कि सबसे ज्यादा लोग कहां जाना चाह रहे हैं।

विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग उज्जैन महाकालेश्वर जाने के लिए लोगों में गजब उत्साह है। लाखों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करके नए वर्ष के पहले दिन की शुरूआत करना चाहते हैं। लेकिन यहां अधिकांश होटल बुक हो चुके हैं। दर्शन के लिए प्रशासन व्यवस्थाएं बना रहा है। यहां 4 दिन में 15 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

हिल स्टेशन पचमढ़ी

मध्यप्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी के सौंदर्य की पूरी दुनिया दीवानी है। ऐसे में नए साल का जश्न मनाने के लिए टूरिस्ट यहां पहुंचना चाहते है। लेकिन पर्यटकों का यहां रूम नहीं मिल रहे हैं। यहां पचमढ़ी उत्सव शुरू हो चुका है। यह आइलैंड शहडोल जिले के बाणसागर डैम के बैकवाटर पर निर्मित है। रिसॉर्ट से पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने यहां पहुंचना चाहते हैं। हाल ही में सीएम मोहन यादव ने इसकी शुभारंभ किया है।

रामजी की नगरी ओरछा

रामजी की नगरी ओरछा में भी देशी-विदेशी पर्यटक आएंगे। यहां भी बड़े होटल पहले ही बुक हो चुके हैं। यहां कई कार्यक्रम होंगे। 1 जनवरी को करीब 1 लाख लोगों के ओरछा आने का अनुमान है।

बांधवगढ़ नेशनल पार्क

मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा टाइगर वाला नेशनल पार्क बांधवगढ़ की डिमांड सबसे ज्यादा है। यहां तो दो महीने तक के लिए फुल बुकिंग हो चुकी है। लोग जंगली प्राकृतिक सौंदर्य और जीव जंतुओं को देखकर उत्साह के साथ नए साल का आगाज करना चाहते हैं।

सम्पादकीय

राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति को लेकर सतर्कता की जरूरत

रिजर्व बैंक का ताजा अध्ययन दिखाता है कि राजकोषीय जवाबदेही के नियमों को अपनाने से राज्यों को काफी मदद मिली है। सन 1998-99 से 2003-04 के बीच राज्यों का समेकित सकल राजकोषीय घाटा जीडीपी के औसतन 4.3 फीसदी से घटकर 2.7 फीसदी रह गया। डेट स्टॉक में भी कमी आई और यह मार्च 2024 तक जीडीपी के 28.5 फीसदी तक रह गया। हालांकि यह अभी भी राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन समिति द्वारा 2017 में अनुशंसित 20 फीसदी के स्तर से काफी अधिक है।

राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति पर रिजर्व बैंक का ताजा अध्ययन गत सप्ताह जारी किया गया। यह दिखाता है कि समेकित स्तर पर काफी प्रगति हुई है। बहरहाल, अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है और समग्र आर्थिक प्रबंधन काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि राज्य सरकारों के वित्त का प्रबंधन किस प्रकार किया जाता है। व्यापक स्तर पर देखें तो चूंकि केंद्र सरकार का वित्त आमतौर पर सार्वजनिक बहस के केंद्र में रहता है इसलिए ऐसी रिपोर्ट अकसर अहम कमी को दूर करने का काम करती हैं। रिजर्व बैंक का ताजा अध्ययन दिखाता है कि राजकोषीय जवाबदेही के नियमों को अपनाने से राज्यों को काफी मदद मिली है। सन 1998-99 से 2003-04 के बीच राज्यों का समेकित सकल राजकोषीय घाटा जीडीपी के औसतन 4.3 फीसदी से घटकर 2.7 फीसदी रह गया। डेट स्टॉक में भी कमी आई और यह मार्च 2024 तक जीडीपी के 28.5 फीसदी तक रह गया। हालांकि यह अभी भी राजकोषीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन समिति द्वारा 2017 में अनुशंसित 20 फीसदी के स्तर से काफी अधिक है। अभी हाल ही में 2023-24 में राज्यों ने अपने सकल राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 2.9 फीसदी पर सीमित किया जो जीडीपी के तीन फीसदी की तय सीमा से कम था। चालू वर्ष में समेकित राजकोषीय घाटे के जीडीपी के 3.2 फीसदी रहने की बात कही गई है। बहरहाल जैसा कि कुछ विश्लेषकों ने कहा है, राज्यों का व्यय कम रहने की संभावना है, जैसा कि 2023-24 में भी हुआ था। उस वक्त राज्यों ने जीडीपी के 3.2 फीसदी के बराबर राजकोषीय घाटे का अनुमान जताया था। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि राज्यों के लिए व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। 2023-24 में पूंजीगत आवंटन जीडीपी के 2.6 फीसदी के बराबर रहा जबकि 2022-23 में यह 2.2 फीसदी था। हाल के वर्षों में अनुकूल राजकोषीय नतीजे आंशिक तौर पर राज्यों के बेहतर राजस्व की बदौलत भी थे। महामारी के बाद की अवधि में यह सुधरकर 1.44 फीसदी हो गया है जबकि 2012-13 से 2019-20 के बीच यह 0.86 फीसदी था। दिलचस्प बात है कि रिपोर्ट में शामिल एक विश्लेषणात्मक अध्ययन दिखाता है कि कर राजस्व और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात में अंतरराज्यीय असमानता वस्तु एवं सेवा कर लागू होने के बाद कम हुई है। बहरहाल, सुधार के बावजूद कुछ मसले ऐसे हैं जिन्हें प्राथमिकता पर हल करने की जरूरत है। पहला है कर्ज का स्तर। यह बात भी रेखांकित करने लायक है कि राज्यों के बीच काफी असमानता मौजूद है। उदाहरण के लिए हिमाचल प्रदेश की बकाया देनदारी जीएसडीपी के 45 फीसदी से अधिक है और बीते दशक में इसमें काफी इजाफा हुआ है। ऐसी राजकोषीय स्थिति में सुधार के लिए कोई न कोई व्यवस्था विकसित करनी होगी। दूसरी बात, राज्य सरकारों द्वारा जारी की गई गारंटियों को भी हल करने की आवश्यकता है। 2023 में यह जीडीपी के 3.8 फीसदी के बराबर थी और यह राज्य सरकारों के लिए तनाव का कारण बनकर उभर सकती है। तीसरी बात, सब्सिडी और नकदी हस्तांतरण देने के मामलों में राज्यों के बीच जो होड़ लगी है वह उनकी उत्पादक निवेश की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। इसका वृद्धि और विकास पर दीर्घकालिक असर हो सकता है। भविष्य के ढांचागत सुधारों की बात करें तो रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में कुछ सुझाव ध्यान देने लायक हैं और उन पर यहां चर्चा होनी चाहिए। पहला, बड़ी संख्या में केंद्र सरकार की योजनाएं राज्य सरकारों के व्यय लचीलेपन को प्रभावित करती हैं। ऐसी योजनाओं को तार्किक बनाने से राज्य सरकारों के लिए बजटीय गुंजाइश बन सकती है और वे संसाधनों को जरूरत के समय व्यय कर सकती हैं। दूसरी बात, स्थानीय निकायों को समय पर संसाधनों का आवंटन करना जरूरी है। ऐसा करके ही उन्हें अपनी जवाबदेही पूरा करने लायक बनाया जा सकेगा। इससे वृद्धि संबंधी निष्कर्षों में सुधार संभव होगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन निरंतर सतर्कता और सुधारों की मदद से ही नतीजों को और बेहतर बनाया जा सकता है।

खुद को बड़ा अंबेडकर भक्त साबित करने की होड़

संविधान निर्माण में महती भूमिका निभाने वाले भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के अपमान और खुद को ज्यादा बड़ा अंबेडकर भक्त साबित करने की सियासी होड़ में यह सवाल मौजूं है कि क्या इससे सियासी पार्टियों को सच में कोई बड़ा और दीर्घकालीन राजनीतिक लाभांश मिल रहा है या मिल सकता है? या फिर मुद्दा भी वक्त के साथ नए और तात्कालिक मुद्दों की लहर में बह जाएगा? किसी भी मुद्दे के राजनीतिक लाभांश की असली कसौटी यही है कि वह सत्ता दिला सकने में कितना कारगर है।

संविधान निर्माण में महती भूमिका निभाने वाले भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के अपमान और खुद को ज्यादा बड़ा अंबेडकर भक्त साबित करने की सियासी होड़ में यह सवाल मौजूं है कि क्या इससे सियासी पार्टियों को सच में कोई बड़ा और दीर्घकालीन राजनीतिक लाभांश मिल रहा है या मिल सकता है? या फिर मुद्दा भी वक्त के साथ नए और तात्कालिक मुद्दों की लहर में बह जाएगा? किसी भी मुद्दे के राजनीतिक लाभांश की असली कसौटी यही है कि वह सत्ता दिला सकने में कितना कारगर है। अंबेडकर का मुद्दा राजनीतिक शक्ति परीक्षण में कितना मददगार होगा, कहना अभी मुश्किल है। क्योंकि अंबेडकर को भगवान मानने वाले दलित समुदाय का मतदाता के रूप में व्यवहार चुनावों की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग रहा है वह परिस्थिति व वक्ती तकाजों के हिसाब से बदलता भी रहा है। लेकिन उम्मीद सभी को है। भाजपा भी राज्यसभा में अमित शाह के बयान के बाद अंबेडकर के अपमान के प्रति विपक्ष के हमलावर होने के खतरों को भांप रही है और हर मंच पर कांग्रेस द्वारा अंबेडकर को अपमानित करने तथा उन्हें नेहरू से महान बताकर डेमेज कंट्रोल करने की पूरी कोशिश कर रही है।

इसी के तहत सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अंबेडकर को महान बताने और कांग्रेस द्वारा उनके अपमान को लेकर पत्रकार वार्ताएं की। सबसे ज्यादा चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुंदेलखंड, जहां दलितों की संख्या काफी है, के खजुराहो में महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास के दौरान किए गए खुलासे की रही। उन्होंने कहा कि देश में जलशक्ति के महत्व को सबसे पहले बाबा साहब ने ही पहचाना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कथन में कितना तथ्य है, इस पर बहस हो सकती है। लेकिन एक पूर्व आईएएस अधिकारी व बीआर अंबेडकर विवि मुजफ्फरपुर बिहार के पूर्व कुलपति एके बिस्वास ने 'फारवर्ड प्रेस' में लिखे एक लेख में बताया था कि भारत की जल संसाधन नीति की नींव बाबा साहब अंबेडकर ने ही रखी थी। डॉ. अंबेडकर 20 जुलाई 1942 से लेकर 29 जून 1946 तक तत्कालीन वाइसराय कार्यकारी परिषद् के श्रम सदस्य थे। इस दौरान उन्होंने देश के जल संसाधनों का सभी के हित में समुचित दोहन करने हेतु एक नई जल व विद्युत नीति का खाका तैयार किया था। उनकी मान्यता थी कि इस सन्दर्भ में अमेरिका की टेनेसी वैली परियोजना भारत के लिए आदर्श हो सकती है। बाबा साहब का कहना था कि नदियों पर बहुउद्देशीय परियोजनाओं का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे सिंचाई और विद्युत उत्पादन दोनों हो सके। इस तरह की परियोजनाओं से अकाल और बाढ़ को रोका जा सकेगा और देश की गरीब जनता का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। इसके पूर्व पीएम मोदी ने 14 अप्रैल 2016 को मुंबई में मेरीटाइम इन्वेस्टमेंट समिट के उद्घाटन में कहा था कि बाबासाहेब ने ही जल संसाधन, जल परिवहन और विद्युत से संबंधित दो महत्वपूर्ण संस्थाओं की नींव रखी थी।

वे थीं- केंद्रीय जल, सिंचाई व जल परिवहन आयोग और सेंट्रल टेक्निकल पॉवर बोर्ड। डॉ. अंबेडकर भारत की जल संसाधन एवं नदी परिवहन नीति के निर्माता भी हैं। सन् 1944-46 की अवधि में तत्कालीन श्रम विभाग ने जिन नदी घाटी परियोजनाओं को लागू करने पर सक्रियता से विचार किया, उनमें शामिल थीं- दामोदर, सोन, महानदी (हीराकुंड), कोसी, चम्बल व दक्षिण की नदियों से संबंधित परियोजनाएं।

जाहिर है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के जरिये पीएम ने एक नया नरेटिव सेट करने की कोशिश की है, जो भाजपा द्वारा बाबा साहब के अपमान के आरोप के संदर्भ में दूरगामी कहा जा सकता है। भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस व विपक्षी दल कुछ भी आरोप लगाते रहें, हकीकत में बाबा साहब के सपनो को भाजपा और एनडीए ही साकार कर रहे हैं। हालांकि यह तर्क दलित समुदाय की अंबेडकर के प्रति अगाध आस्था को कितना संतुष्ट करेगा, कहना मुश्किल है।

अंबेडकर इस देश के महापुरूष हैं, इसमें दो राय नहीं। इसी के साथ वे महान समाज सुधारक और अर्थ तथा कानूनविद भी थे। लेकिन पिछले दिनों राज्य सभा में संविधान पर विशेष चर्चा पर बोलते हुएकेंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह कहकर इस मुद्दे को नया और विवादित मोड़ दे दिया कि आप रात दिन अंबेडकर-अंबेडकर जपते हो। इतनी बार भगवान का नाम जपा होता तो स्वर्ग मिल जाता।

अति उत्साह में की गई इस टिप्पणी ने विपक्ष को नया सियासी हथियार दे दिया है। उसे लगता है कि इससे दलितों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसी कारण दलित वोट भाजपा से छिटक सकता है, जो व्यापक हिंदू एकता के छाते में कुछ हद तक भाजपा के पास चला गया था। जबकि भाजपा अभी भी अपने इस आरोप पर कायम है कि कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब का सम्मान नहीं किया, उलटे उन्हें अपमानित ही किया। भाजपा के पलटवार से बहस एक नई दिशा में जाती दिख रही है कि क्या अंबेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व भगवान से बड़ा है या फिर भगवान अंबेडकर से बड़े हैं।

अंबेडकर भगवान से बड़े हों या नहीं, लेकिन इतना तय है कि दलित और दमित समाज के लिए वे भगवान के बराबर तो हैं ही। क्योंकि उन्होंने सदियों से शोषित इस समाज को सामाजिक समता और मुक्ति का रास्ता दिखाया। उन्हे मानवीय और संवैधानिक अधिकार दिलवाए। बहरहाल डॉ. अंबेडकर के मान अपमान पर केंद्रित इस सियासी लड़ाई के दो मुख्य पात्र है। कांग्रेस और भाजपा तथा उनकी सहयोगी पार्टियां। दोनो ही एक दूसरे पर अंबेडकर के प्रति आदरभाव को लेकर कथनी और करनी में अंतर के आरोप लगा रहे हैं।

भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने केवल एक परिवार को उठाने के लिए अंबेडकर के योगदान को बार-बार नकारा तो कांग्रेस का कहना है कि भाजपा अंबेडकर का नाम भले जपती रहे, उसकी असल मंशा देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की है, जो दलितों को कभी स्वीकार नहीं होगा। कांग्रेस ने ही दलितों को उनके अधिकार दिए हैं। कांग्रेस की इस उम्मीद का कारण पिछले लोकसभा चुनाव में दलित वोटों की कांग्रेस की तरफ वापसी है। हालांकि विधानसभा चुनाव में यही ट्रेंड नहीं दिखा। गौरतलब, है कि 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में दलितों की आबादी 16.6 प्रतिशत यानी लगभग 20 करोड़ है। इसमें भी तीन चौथाई दलित गांवों में और एक चौथाई शहर में रहते हैं। कई राज्यों में दलितों के हाथ सत्ता की चाबी है। इसलिए भाजपा और कांग्रेस समेत सभी पार्टियां चाहती है कि दलितों का वोट उनके पक्ष में पड़े। यह बाबा साहब अंबेडकर के प्रति श्रद्धाभाव से ही संभव है। अगर लोकसभा ही बात करें तो कुल 543 सीटों में से दलितों के लिए 84 सीटें आरक्षित हैं।

2019 के लोस चुनाव में भाजपा ने 46 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं। बाकी सीटें अन्य पार्टियों को मिली थीं। लेकिन 2024 में दलित वोट बैंक भाजपा से खिसक गया। भाजपा केवल 29 सीटें जीत पाई तो कांग्रेस की दलित आरक्षित सीटों की संख्या बढ़कर 20 यानी तिगुनी हो गई। इसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा अपने दम पर बहुमत से काफी पीछे रह गई।

कांग्रेस को उम्मीद है कि बाबा साहब अंबेडकर के अपमान का मुद्दा दलितों को बड़े पैमाने पर उद्वेलित कर सकता है और वो आने वाले समय में कांग्रेस और एनडीए के पक्ष में मतदान करेंगे। लेकिन इसमे पेंच यह है कि आज सार्वजनिक तौर पर इस देश में कोई भी पार्टी बाबा साहब के खिलाफ नहीं है। यानी महात्मा गांधी की तरह अब अंबेडकर भी देश में राजनीतिक और सामाजिक रूप से सर्वस्वीकार्य हैं। ऐसे में अंबेडकर भक्ति सभी मुद्दों पर हावी हो और सत्ता संघर्ष में निर्णायक बने, यह जरूरी नहीं है। अगर राजनीतिक लाभांश की कसौटी पर मुद्दे खरे नहीं उतरते तो राजनीति पार्टियां उन्हें दरकिनार करने में भी संकोच नहीं करतीं।

संभल के सीने में और कितने मंदिर-बावड़ी दफन?

पिथले एक माह से उत्तरप्रदेश का संभल जिला सुर्खियों में छाया हुआ है। यहां पर लगातार कुएं, बावड़ियां और मंदिर मिलने का सिलसिला जारी है। इस बीच एक और कूप मिला है, जिसे मृत्यु कूप बताया जा रहा है। साथ ही इसके बगल में शिव मंदिर होने का भी दावा किया जा रहा है। वहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां अगर खुदाई की जाए, तो मंदिर निकलेगा जिसकी दीवार आज भी दिखाई देती है।

इस एक महीने के भीतर संभल में इतना कुछ हो गया कि लोग हैरान हैं। हर किसी के मन में यही सवाल है कि संभल के सीने में और कितने मंदिर और बावड़ी? हालांकि यह सारी कहानी मस्जिद के सर्वे से शुरू हुई और तबसे चल ही रही है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि संभल में अब तक क्या-क्या मिला है? कहा जाता है कि संभल में हिंदुओं की संख्या पहले ज्यादा थी, लेकिन 1978 में हुए दंगे के बाद हिंदुओं ने पलायन करना शुरू कर दिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि मंदिर खंडहर हो गए और बावड़ियां वक्त के साथ जमीन में धंसती चली गईं।

दरअसल, संभल में बवाल की कहानी शुरू होती है मस्जिद सर्वे से। हिंदुओं द्वारा शाही जामा मस्जिद का सर्वे कराए जाने की मांग को कोर्ट ने मंजूर कर दिया। इसके बाद एएसआई की टीम मस्जिद पहुंची, जहां पहले दिन शांतिपूर्ण तरीके से सबकुछ हुआ। लेकिन दूसरे ही दिन ऐसा उपद्रव मचा कि चार लोगों की मौत हो गई। इसके बाद हिंसा की जांच शुरू हुई और उपद्रवियों की खोजबीन की जाने लगी तो बिजली चोरी का खुलासा हो गया। 14 दिसंबर को पुलिस जब दीपा राय इलाके में चेकिंग करने पहुंची तो एक मंदिर मिल गया, जिसको लेकर दावा किया जा रहा है कि वह 1978 का है और 46 साल से बंद है। साथ ही इस मंदिर से महज 200 मीटर की दूरी पर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क का घर है। इस मंदिर का नाम प्राचीन संभलेश्वर मंदिर रखा गया, जिसमें शिवलिंग के साथ-साथ हनुमान जी की भी प्रतिमा है।

इसके बाद 15 दिसंबर को मंदिर खोला गया और पूजा-अर्चना शुरू हुई। इसके बाद कुएं के मिलने की जानकारी सामने आई और उसकी खुदाई कराई गई। इस बीच संभल के मुस्लिम बाहुल सरायतरीन इलाके में राधा-कृष्ण का मंदिर मिला। मंदिर मिलने के बाद संभल में एएसआई ने प्राचीन कार्तिकेय मंदिर की कार्बन डेटिंग की। इस दौरान एएसआई ने पांच तीर्थ स्थल और 19 प्राचीन कूपों का निरीक्षण किया। पांच तीर्थ स्थलों में भद्रकाश्रम, स्वगर्गदीप, चक्रपणि, प्राचीन तीर्थ श्मशान मंदिर शामिल था।

इसके बाद एएसआई की टीम संभल के कल्कि मंदिर में स्थित प्राचीन कृष्ण कूप का सर्वे किया गया। टीम ने मंदिर के अंदर बने गुंबद का भी फोटो लिया। मंदिर के अंदर जाकर पुजारी के साथ सर्वे किया। इसके बाद बीते शनिवार को चंदौसी में राजस्व विभाग ने एक जमीन की खुदाई की तो उसके नीचे एक विशालकाय बावड़ी मिली। बताया जा रहा है कि इसमें दो मंजिला इमारत और कुआं मिला है। अभी यहां पर खुदाई चल रही है। इसके अलावा फिरोज किला पर भी बावड़ी मिलने की सूचना प्राप्त हुई है। एक कूप और एक बावड़ी इस किले में मिला है।

गुरुवार को जिला प्रशास ने इस प्राचीन मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार का भी काम शुरू करा दिया। शाही मस्जिद से मृत्यु कूप कुछ ही दूरी पर है। संभल में पुराणों में वर्णित अति प्राचीन और धार्मिक महत्व के माने जाने वाले कुओं की पहचान कर उनकी खुदाई और जीर्णोद्धार की पहल के तहत यह कार्य किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वर्षों पूर्व इन कुओं को या तो ऐसे ही छोड़ दिया गया था या इनमें मलबा भरकर इन्हें पाट दिया गया था। इन कुओं को लेकर लोगों की ऐसी मान्यता है कि इनके पानी से स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। क्षेत्र के पार्षद गगन वार्ष्णेय ने कहा कि संभल के ऐतिहासिक मृत्यु कूप की खुदाई शुरू की गई है। यह बहुत प्राचीन कूप है। यह खुदाई नगर पालिका के सहयोग से की जा रही है। मृत्यु कूप को लेकर मान्यता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार से संभल में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

स्थानीय लोगों ने कहा है कि प्राचीन कूप के पास ही महामृत्युंजय तीर्थ भी स्थित है। उनका कहना है कि दूसरे समुदाय के लोग इस तीर्थ की जमीन पर मालिकाना हक जताते रहे है। यह कूप कई सालों पहले विलुप्त हो गया था। जिससे ढककर इस पर कूड़ा फेंका जा रहा था। कूप का वर्णन स्कंद पुराण में होने की बात भी कही गई है।

इस कूप के बारे में लिखा गया है कि ' विमलेशादुत्तरत- कूपो वै मृत्युसंज्ञक-, अत्र स्नात्वा म ह ा क ा ल ा च ॅ न ॅ सकलसिद्धिदम्'अर्थात विमलेश के उत्तर में मृत्यु नामक एक कुआं है। यहां स्नान करने और महाकाल की पूजा करने से सभी सिद्धियां प्राप्त होती हैं। संभल के ऐतिहासिक नक्शे में भी इस कूप का जिक्र है। नक्शे में इसे हरि मंदिर से उत्तर की ओर बताया गया है। ऐसे में सालों से बंद पड़े मृत्यु कूप को खोज कर प्रशासन ने खुदाई का काम शुरू करवा दिया है। कुएं के अवशेष मिलने के बाद से लोगों की भीड़ इसे देखने और पूजा करने के लिए आ रही है।

आपको बता दें कि यूपी का संभल जिला प्राचीन समय में तीर्थों का केंद्र हुआ करता था, जिसका जिक्र पौराणिक कथाओं में भी मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, संभल में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग, 68 तीर्थ और 19 कूप मौजूद हैं, जिनकी अपनी मान्यता और धार्मिक महत्व है। समय के साथ और 1978 के दंगों के बाद यहां से हिंदूओं का पलायन शुरू हो गया, जिसके चलते मंदिर खंडहर में तब्दील हो गए और कुछ मिट्टी के नीचे दब गए जबकि कुओं को ढंक दिया गया।

हालांकि, वर्तमान समय में अभी भी संभल में 3 तीर्थ मौजूद हैं जिसकी परिक्रमा और दर्शन करने दूर-दूर से लोग आते हैं। मान्यता है यहां पर पूजा अर्चना और पंच कोसी यात्रा करने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही, संतान सुख से वंचित लोगों को संतान प्राप्ति का भी सुख प्राप्त होता है। इन 3 तीर्थों में से एक है वंश गोपाल तीर्थ।

संभल से करीब 3 से 4 किलोमीटर पर स्थित वंशगोपाल मंदिर बेनीपुर कमलपुर गांव में स्थित है। यह भगवान श्री कृष्ण का मंदिर है। प्राचीन समय से चली आ रही पंचकोसीय परिक्रमा इसी मंदिर से शुरू होती है। इस परिक्रमा में संभल के अलावा अन्य गांवों और शहरों से लाखों में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पूजा अर्चना करने से वंश वृद्धि होती है। यही कारण है कि संतान सुख से वंचित लोग फेरी लगाने जरूर एक बार आते हैं। दूसरा तीर्थ है सूर्यकुंड तीर्थ। संभल के प्रमुख तीर्थों में से एक सूर्यकुंड तीर्थ अर्ककुंड तीर्थ के नाम से जाना जाता है। यहां पर 24 कोसीय परिक्रमा करके लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। आपको बता दें कि सूर्यकुंड तीर्थ की परिक्रमा दीवाली के 2 दिन बाद शुरू होती है। इस दौरान यहां पर मेले का भी आयोजन किया जाता है। सूर्यकुंड तीर्थ को लेकर मान्यता है कि यहां पर स्नान करने मात्र से सभी पाप धुल जाते हैं। साथ ही कुष्ठ रोग जैसी गंभीर बीमारी से भी निजात मिलती है। तीसरा तीर्थ है मृत्युंजय तीर्थ। संभल के हयातनगर में मौजूद इस तीर्थ में दर्शन पूजन और स्नान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है और आयु लंबी होती है। साथ ही जो श्रद्धालु यहां पर स्नान करते हैं उनको ब्रह्मलोक प्राप्त होता है। इसके अलावा मृत्यु के बाद सीधे मोक्ष की भी प्राप्ति होती है। यहां पर ज्येष्ठ वदी पड़वा के दिन स्नान महापर्व का भी आयोजन किया जाता है।

कटनी में सीमेंट से लदे ट्रक में अचानक लगी आग

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, बड़ा हादसा टला

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के कुठला थाना क्षेत्र इंडिया होटल के समीप उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक सीमेंट से लोड़ एक ट्रक में अचानक आग भड़क उठी। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर ट्रैफिक पुलिस कर्मी और फायर ब्रिगेट पहुंच गई और ट्रक में लगी आग पर कड़ी मस्कत के बाद काबू पाया गया। इलाके के लोगो ने बताया कि कुठला थाना क्षेत्र इंडिया होटल के पास खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई जैसे ही पन्ना नाका प्वाइंट ड्यूटी में उपस्थित यातायात पुलिस सैनिक ने देखा कि ट्रक में आग लगी है, अविलंब पुलिस कंट्रोल कटनी एवं थाना प्रभारी यातायात राहुल पाण्डेय को मोबाइल फोन के माध्यम से सूचित किया गया । यातायात प्रभारी द्वारा मौके पर

अतिरिक्त यातायात बल भेज कर यातायात पुलिस द्वारा यातायात का सुचारू रूप से संचालन किया गया एवं मौके पर फायर ब्रिगेड द्वारा आग को बुझाया गया। वही जिस पेड़ के नीचे ट्रक खड़ा था आग की वजह से वह भी बुरी तरह झुलस गया। आग लगने का कारण शॉट सर्किट बताया जा रहा है।

अनूपपुर में 54 लीटर अवैध शराब जप्त

आरोपी गिरफ्तार, मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

सुशिल सोनी। सिटी चीफ
अनूपपुर, दिनांक 25/12/2024 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धरहरकला रीवा अमरकंटक मेन रोड के किनारे धूपसिंह के निर्माणाधीन मकान के सामने एक व्यक्ति एक पीले रंग की बोरी तथा एक काले रंग के बैग में शराब रखे वाहन के प्रतीक्षा में खड़ा है। सूचना की तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु गवाह धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता एवं विनोद कुमार व हमराह स्टाफ के मौके पर पहुंचे तो एक व्यक्ति रोड किनारे एक पीले रंग की बोरी तथा एक काले रंग के बैग रखे खड़ा था जिससे समक्ष गवाहान उपरोक्त के नाम पता पूछने पर अपना नाम उत्तम कुमार पासवान पिता रामस्वरूप पासवान उम्र 40 वर्ष निवासी अतरौलीवन पोस्ट डुमरा थाना अम्बा जिला औरंगाबाद बिहार हाल उर्मिला कालोनी राजेन्द्रग्राम का होना बताया जिसके कब्जे में रखी काले रंग के बैग को खोलकर देखा गया तो उसमें गोवा शराब एवं देशी प्लेन मदिरा तथा पीले रंग की बोरी में देशी प्लेन मदिरा शराब भरी होना पाया गया। शराब को बैग एवं बोरी से बाहर निकलवाकर गिनती की गयी जो काले रंग के बेग में 50 पाव गोवा व्हिस्की शराब एवं 42 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब तथा पीले रंग के बोरी में 208 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब होना पाया गया। उत्तम कुमार पासवान को धारा 94 बी.एन.एस.एस. की नोटिस दिया जाकर शराब रखने के संबंध में दस्तावेज चाहे गये जो कोई

दस्तावेज नही होना लेख किया। काले रंग के बैग में 50 पाव गोवा व्हिस्की शराब प्रत्येक 180 रू प्रत्येक कीमती 135/- रूपये कुल कीमती 6750/- रूपये एवं 42 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब प्रत्येक 180 रू प्रत्येक कीमती 70/- रूपये कुल कीमती 2940/- रूपये तथा पीले रंग की बोरी में 208 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब प्रत्येक 180 रू प्रत्येक कीमतीं 70/- रूपये कुल कीमती 14560/- रूपये कुल 54 लीटर अवैध शराब कुल कीमती 24250/- रूपये की जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया।
आरोपी का कृत्य धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत दण्डनीय होने से मौके पर गिरफ्तारी का कारण बताकर आरोपी उत्तम कुमार पासवान को मुताबिक गिरफ्तारी पत्रक के विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। सम्पूर्ण कार्यवाही श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर निर्देशन एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) महोदय पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन में निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार बरकरे के नेतृत्व में सउनि दीपचन्द बर्मन, प्र.आर. 42 राजेन्द्र यादव, आर. 267 दुर्गेश सिन्द्राम, चा. आर. 554 प्रदीप बारेला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

औषधि निरीक्षक ने अक्षय मेडिकल स्टोर की जांच के दौरान पाई अनियमितता

दवाओं के सैम्पल को भेजे ड्रग टेस्टिंग लैबोरेटरी भोपाल

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार औषधि निरीक्षक श्री प्रमोद कुमार कुलेश ने जिला मुख्यालय स्थित अक्षय मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर जांच की। जांच के दौरान मेडिकल स्टोर में एक्सपायरी दवाइयां एवं वेटेरेनेरी दवाइयों में नियमानुसार लेवल नहीं पाया गया। दवाओं का रजिस्टर में नियमित रूप से संधारण होना नही पाया गया तथा बिल बुक भी नियमानुसार संधारित होना नही मिला। जांच के दौरान दो दवाओं के सैम्पल लिए गए, जिन्हें जांच हेतु ड्रग टेस्टिंग लैबोरेटरी भोपाल भेजा गया है। उक्त अनियमिताओं को देखते हुए संबंधित मेडिकल स्टोर के संचालक के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940

नियमावली 1945 के तहत उचित कार्यवाही की बात औषधि निरीक्षक द्वारा कही गई है।

क़ल दमोह आएंगे बहुजन शायर अभिषेक जाटव

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, भारतीय अहिरवार सुरक्षा संघ के संस्थापक कोमल अहिरवार ने जानकारी देते हुये बताया दमोह जिले के थाना पटेरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोटा मे 19 दिसम्बर को किन्ही असामाजिक तत्वों ने बाबा साहेब अम्बेडकर जी की प्रतिमा छतिग्रस्त कर दी थी..इस निंदनीय कृत्य के विरोध मे ग्राम वासियो की ओर से अम्बेडकर वादी कोमल अहिरवार ने दमोह प्रशासन को 7 दिवस के अंदर नवीन आदम कद प्रतिमा स्थापित करने एवं अपराधीयो को गिरफ्तार करने की चेतावनी दी थी, लेकिन दमोह कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने ग्रामवासियो की मांगे पूरी नहीं..करने पर.. 28 दिसम्बर को कलेक्टर कार्यालय घेरने एक का निर्णय लिया इस आंदोलन के मुख्य अतिथि दिल्ली से आये बहुजन शायर अभिषेक कुमार जाटव होंगे जो 28 दिसम्बर के विशाल आंदोलन की अगवाई

करेंगे अभिषेक जाटव दमोह पहुँचकर सर्वप्रथम दोपहर 12 बजे बाबा साहेब अम्बेडकर जी को माल्यार्पण करेंगे, माल्यार्पण के बाद सभी अम्बेडकर वादी साथीयो के साथ कलेक्ट्रेट का घेराब करेंगे जहाँ दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर से प्रश्न करेंगे की आखिर किस के दबाब मे बाबा साहेब की प्रतिमा पुन: स्थापित की गई..? आखिर दमोह पुलिस अपराधीयो को क्यों गिरफ्तार कर पाई..? इस विशाल आंदोलन मे बसपा, भीम आर्मी, ओबीसी महासभा, क्रांति अशोक सेना, भीम सेना, अहिरवार समाज संघ, धम्म भूमि, समाजवादी पार्टी, स्ष्ट महासभा, गुरु रविदास संघ, आजाद समाज पार्टी, के कार्यकर्त्ता एवं पदाधिकारी शामिल रहेंगे..इस आंदोलन की सम्पूर्ण वागडोर भारतीय अहिरवार सुरक्षा संघ के हाथ मे रहेगी।

आमाटोला ददिया नववर्ष मेले में 2 को आंचलिक छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा मया के चिन्हा का आयोजन

एक दिवसीय ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 1 को व सावित्रीबाई फुले जयंती 3 को

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर मुख्यालय से पांच किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत ददिया अन्तर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में नव वर्ष के शुभ अवसर पर दिन रात मेले का आयोजन ग्रामीणों के सहयोग से होते हुए आ रहा है जो कि इस वर्ष भी आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है लेकिन इस वर्ष समीति पदाधिकारियों ने तारीख में संसोधन करते हुए मेला नये साल कि 2/01/2025 को ग्रामीण जनों के सहयोग से सम्पन्न होना है।
एक दिवसीय ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता प्रेस को जानकारी देते हुए समीति अध्यक्ष लकेश पंचेश्वर ने बताया कि ग्रामीणों व समीति पदाधिकारियों कि मांग पर इस वर्ष ग्राम में 1 जनवरी 2025 दिन बुधवार को जन जागृति आमाटोला ददिया के तत्वाधान में एकदिवसीय ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया है जिसमें प्रथम पुरस्कार 10,001/ (दस हजार एक रुपए--युटुबर नवीन जोन टीम),द्वितीय पुरस्कार 6001/(छः हजार एक रुपए)व तृतीय पुरस्कार 4001/(चार हजार एक रुपए) है जिसमें प्रवेश शुल्क 301 तीन सौ एक रुपए रखा गया है,जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ऋषि पंछी राजेन्द्र भलावी सरपंच ग्राम पंचायत ददिया,प्रमुख अतिथि में श्रीमती केसर बाई मनीराम भोयर जनपद पंचायत सदस्य,रुपेन्द्र भोयर उपसरपंच ददिया,अरुण पंचेश्वर सरपंच बेलगांव, तुलसीराम बोपचे पुर्व जनपद पंचायत सदस्य,ज्ञानचंद मात्रे पुर्व सरपंच,रमेश पंचेश्वर पंच, श्रीमती ताराबाई पंचेश्वर पंच तुलसीराम पंचेश्वर ग्राम अध्यक्ष ,तथा खेल

समन्वयक लव पटेल रहेंगे।वहीं कार्यक्रम का मंच संचालन ललित लानगे व बालकृष्ण मानसी कावरे करेंगे।साथ ही समीति ने नियम व शर्तें तय कर रखे हैं जिसमें समीति का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा,सभी मैच मैट ग्राउंड पर ही खेले जाएंगे,सभी खिलाड़ियों को आधारकार्ड लाना अनिवार्य है,प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को चोट लगने पर वे स्वयं जिम्मेदार होंगे,प्रो कबड्डी के सभी नियम लागू होंगे, सभी खिलाड़ी एक हि गांव के होंगे व एंट्री शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक ली जायेगी।
एक दिवसीय मेले के रात्रि में छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा मया के चिन्हा आगे जानकारी देते हुए समीति अध्यक्ष लकेश पंचेश्वर ने बताया कि 2 जनवरी 2025 को एक दिवसीय दिन रात मेले का आयोजन किया गया है उक्त आयोजन को सफल बनाने हेतु ग्राम में बैठक आहूत कर समीति का भी गठन किया गया है ताकि मेले का आयोजन पुरी तरह से सफल हो सके वहीं ग्रामीणों कि मांग पर रात्रि कालीन प्रोग्राम आंचलिक छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा लोककला मंच मया के चिन्हा कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है जो पुरी तरह से सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा जिसके संचालक एवं गायक विरेन्द्र डहरवाल अपने साथी कलाकारों के साथ एक से बढ़कर एक छत्तीसगढ़ी,दादर,लोक गीत सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ग्रामीणों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। साथ ही साथ 3 जनवरी 2025 को शिक्षा कि अग्रदूत माता सावित्रीबाई फूले कि जयंती मरार माली समाज के द्वारा मनाया जायेगा वहीं उक्त आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने व कार्यक्रम में पहुंचने कि अपील लकेश पंचेश्वर समीति अध्यक्ष,दुलीचंद मरठे उपाध्यक्ष,पंकज पंचेश्वर कोषाध्यक्ष शाहिल पंचेश्वर सचिव,संदीप पंचेश्वर सहसचिव व संरक्षण राजु पंचेश्वर वहीं सदस्यों में प्रमुख रूप से खिलेन्द्र पंचेश्वर,रामू नारबोदे,आदित्य आचरे,गोपाल बरले,बालकृष्ण कावरे,कन्हैयालाल मरठे,जयंत खैरवार,मोहित कावड़े,सुभाष पंचेश्वर,आशाराम पंचेश्वर,अरुण पंचेश्वर,विजय पंचेश्वर,जगदीश कावरे सहित अन्य सभी ग्रामीण जनों ने कि है

विधायक अनुभा मुंजारे ने किया धान खरीदी केन्द्रो का निरिक्षण

किसानों को परेशान करने वालों को नहीं किया जायेगा बर्दास्त-अनुभा मुंजारे

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, बालाघाट-लालबर्रा विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा आज अपने बालाघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया, जहा उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्था देखी वही किसानो से संबंधित भेंट कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा कनकी, डोकरबंदी, मोहगांव धपेरा,ददिया देवरी धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गया इस दौरान उन्होंने किसानों से रु ब रु होते हुए होने वाली परेशानियों को जाना विधायक को कुछ किसानों ने मानक के अनुसार धान रिजेक्ट करने की जानकारी से अवगत कराया कही पर परिवहन की समस्या सामने आया जिससे किसानों को धान रखने मे परेशानी हो रही थी किसानों सहित अन्य स्तर पर खरीदी की व्यवस्था में कमी पायी गई जिसे लेकर

विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा नाराजगी जतायी गई विधायक अनुभा मुंजारे ने धान खरीदी को लेकर किसानों को परेशान नहीं करने की हिदायत देते हुए कहा कि हम किसानों को परेशान करने वाले को हरगिज बर्दास्त नहीं करेंगे,उन्होंने कहा कि किसान बड़े संघर्ष कर फसल पका रहे सरकार उन्हें वाजिब दाम नहीं दे रही है. 3100 रूपये की दर पर धान खरीदी करने का वादा नहीं निभाया जा रहा है. विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि उन्होंने आज कनकी, डोकरबंदी,मोहगांव धपेरा,ददिया देवरी धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया है कुछ समस्या सामने आयी जिसके लिए मौके पर ही निर्देश किया गया है हम किसानों के साथ है और किसानों को धान बेचने आने के दौरान परेशान नहीं किया जाये कही कोई शिकायत होने पर कहा गया है कि वह मुझे मेरा कार्यालय का फ़ोन नंबर 7067944371 पर शिकायत दर्ज कर अवगत कराये।

सहारनपुर नगर निगम की कल शुक्रवार को होने वाली बोर्ड की बैठक में पेश होगा 758 करोड़ का बजट

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, शुक्रवार को सहारनपुर नगर निगम बोर्ड की होने वाली बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट पेश होगा। नगरायुक्त संजय चौहान के मुताबिक 758.16 करोड़ रूपए का बजट तैयार किया गया है। बैठक में अन्य विषय भी विचाराधीन रहेंगे। बोर्ड की बैठक शुक्रवार अपराह्न 3.30 बजे जनमंच सभागार में होगी। मेयर डा. अजय सिंह समेत सभी 70 वार्डों के पार्षद बैठक में शामिल होंगे।

सुस्त रफ्तार के चलते स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं का समय पर पूरा होना मुश्किल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, ढमोला नदी पर निर्माणाधीन पुल और अंबाला रोड़ पर 54 करोड़ की लागत से बन रहा हैबिटेट सेंटर तय अवधि में पूरे होते हुए नहीं दिख रहे हैं। चीफ इंजीनियर बीके सिंह ने बताया कि इन दोनों परियोजनाओं को मार्च-अप्रैल तक पूरा करने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 24 घंटे काम करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि ढमोला नदी के पुल के दोनों ओर का संपर्क मार्ग का कार्य अभी रूका हुआ है। जिस कारण इस पुल से वाहनों का आवागमन शुरू नहीं हो पाया है। इस काम को भी शीघ्र ही पूरा कराया जाएगा। स्मार्ट सिटी की तीन परियोजनाएं हैं। अधिकारियों के मुताबिक 85 फीसद परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और बाकी परियोजनाओं का काम केंद्र सरकार ने सभी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मार्च-2025 का वक्त दिया है। लेकिन मार्च तक काम का पूरा होना संभव नहीं दिखाई दे रहा है।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक 27 दिसम्बर को होगी आयोजित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक 27 दिसम्बर को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभागार में होगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी विवेक मिश्रा ने जानकारी देते हुए संबंधित सभी का आह्वान किया है कि वे 27 दिसम्बर 2024 को प्रात: 11:00 बजे आयोजित होने वाली जिला सैनिक बंधु की बैठक में समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

जावद में माहेश्वरी सखी संगठन का कपल पार्टी का आयोजन, सहभोज के साथ हुआ सम्पन्न

माहेश्वरी समाज के युवा नारायण सोमानी ने कहा सामाजिक क्षेत्र में एसे संगठन का होना आवश्यक है जिससे छोटे-बडे आयोजन देखने को मिले, कार्यक्रम का सफल एडिटर प्रियल सुधा पलोड ने किया सभी ने की प्रशंसा

जावद । नगर में माहेश्वरी सखी संगठन के तत्वावधान में बुधवार को लक्ष्मीनाथ चौक स्थित श्री माहेश्वरी समाज भवन पर पहली बार कपल पार्टी के रूप में एक दिवसीय कार्यक्रम सहभोज के साथ सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी समाज के युवा एवं धार्मिक, सामाजिक मीडिया प्रभारी नारायण सोमानी ने बताया कार्यक्रम के प्रारम्भ में माहेश्वरी समाज के आराध्यदेव श्रीमहेश भगवान की तस्वीर पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। परिसर जय महेश-जय महेश जयघोष से झूम उठा। माहेश्वरी समाज भवन में मुख्य रूप से बैंडमिटन, बच्चों का गेम, सखी कपल गेम, हाऊजी, तम्बोला सहित विभिन्न प्रकार के गेम आयोजित किए गए। सहभोज के साथ एक दिवसीय कार्यक्रम एतिहासिक तौर पर सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी समाज के युवा नारायण सोमानी ने कहा सनातन धर्म एवं समाजिक क्षेत्र में निरंतर समाजिक गतिविधियां चलाने के लिए एसे संगठन होना चाहिए ताकी छोटे-बडे आयोजन देखने को मिले, जिससे समाज में सक्रियता देखने को मिलती है, मेरा इस संगठन से अनुरोध है कि समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे हुए व्यक्तियों को सामाजिक सराकार से जोडे। सखी संगठन कपल पार्टी कार्यक्रम का सफल एडिटर सुश्री प्रियल सुधा पलोड ने किया जो आकर्षण का केंद्र बिंदू रहा साथ ही सभी माहेश्वरी समाजजनो ने प्रशंसा करके धन्यवाद दिया। इस मौके पर जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी, माहेश्वरी समाज सखी संगठन अध्यक्ष राधिका राजेश चांडक, सचिव कल्पना युगल डाढ, उपाध्यक्ष पूजा विनय भूतडा, कोषाध्यक्ष सुधा दिपेश पलोड, संचालक सुमन विनोद रामू काबरा, संस्थापक अध्यक्ष रेणु गोपाल सोमानी, संस्थापक सचिव सारिका विजय बंटी सोमानी, सपना मंगलम सोमानी, सलोनी मुकेश राठी, मेघा पराग पलोड, रेखा प्रमोद काबरा, शीतल सुशील काबरा, मनीषा अनिल झंवर, पिंकी शरद काबरा, पायल रितेश काबरा, सलोनी आशीष काबरा, वर्षा अंकित राठी, डिम्पल गोपाल राठी, मंजू विपिन मूंदडा, सहित रखी एवं कपल सदस्यगण एवं बच्चें मौजूद थे।

नन्हे बाल कवियों के काव्य पाठन से गदगद हुए श्रोतागण

बेनर्जी पैलेस द्वारा आयोजित की गई थी बालकवि प्रतियोगिता

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ

नारायणपुर, शहर के हृदय स्थल में स्थित होटल बेनर्जी पैलेस द्वारा, अंतर विद्यालयीन बालकवी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूलों के लगभग 70 बाल कवियों ने अपने काव्य पाटन से श्रोतागणों का मन मोह लिया, आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में जिले के कलेक्टर विपिन मांझी उपस्थित रहे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पांच भाई एवं जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, विवेकानंद विद्यापीठ के प्राचार्य स्वामी कृष्णमित्रानंद जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद, एवं वरिष्ठ शिक्षक महेंद्र देहारी, वरिष्ठ पत्रकार संतनाथ उसेंडी, ब्रिज मानिकपुरी, अविनाश देवांगन, अनुज जोशी, संतोष साहू उपस्थित रहे, निर्णायक की भूमिका में लक्ष्मी नारायण ठाकुर धनेश यादव एवं बसंत श्रीवास ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, कार्यक्रम का संचालन नारायण प्रसाद साहू ने किया वहीं पूरे कार्यक्रम में श्री सिंगोड़ीतराई, डीएवी पब्लिक स्कूल,शाउमावि गराजी, रामकृष्ण मिशन आश्रम विवेकानंद विद्यापीठ आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल महावीर चौक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय नारायणपुर, जवाहर नवोदय विद्यालय, विवेकानंद विद्यापीठ कुंदला समेत दर्जनो विद्यालय के बाल कवियों ने हिस्सा लिया।

इन स्कूलों ने लिया हिस्सा उक्त प्रतियोगिता माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दो अलग-अलग वर्गों में हुआ जिसमें मुख्यत: करलखा, गढ़बेंगाल, शासकीय उमा विद्यालय नारायणपुर, विश्व दीप्ति स्कूल, आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल **लगातार करते रहेंगे ऐसे आयोजन-अभिषेक** बालकवी प्रतियोगिता का आयोजन करने वाले बेनर्जी पैलेस के ओनर अभिषेक बेनर्जी ने बताया, साहित्य के क्षेत्र में बाल कवियों की प्रतिभा को निखारने, उन्हें मंच देने के उद्देश्य से उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन लगातार करते रहेंगे।

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश के ऊर्जा शिक्षा उद्यान होंगे Net Zero

सभी ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में ऑन ग्रिड सोलर संयंत्रों की स्थापना के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दी स्वीकृति

प्रदेश में ऊर्जा के गैर परंरापरागत स्त्रोतों पर आधारित संयंत्रों व तकनीकों एवं ऊर्जा बचत के नये उपायों के बारे में जागरूकता के लिए ऊर्जा शिक्षा उद्यानों की स्थापना क्रेडा द्वारा किया गया है। वर्तमान स्थिति में प्रदेश में 07 ऊर्जा शिक्षा उद्यान रायपुर, पाटन, राजनांदगांव, जांजगीर चांपा जिले के कोटमीसोनार, कबीरधाम, बस्तर व बिलासपुर में संचालित हैं। इन ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा इत्यादि के संबंध में ज्ञानवर्धन के लिए विद्युत चलित मॉडल क्रेडा द्वारा स्थापित किये गये हैं, साथ ही रात्रि की अवधि में प्रकाश व्यवस्था के लिए स्ट्रीट लाईट, म्यूजिकल फाउंटेन इत्यादि भी उक्त ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में स्थापित है। राज्य के इन सभी ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में होने वाले बिजली खपत का Net Zero करने के लिए प्रदेश के 07 में से 06 ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में सोलर ऑन ग्रिड संयंत्रों की स्थापना हेतु क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राजेश सिंह राणा के प्रस्ताव पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा स्वीकृति दी गई है। चूंकि राजनांदगांव में संचालित ऊर्जा शिक्षा उद्यान में पूर्व से ही पर्याप्त क्षमता सोलर के पावर प्लांट्स की उपलब्धता है, अत: यहां संचालित ऊर्जा शिक्षा उद्यान में स्थापित सोलर पावर प्लांट्स के दुरूस्तीकरण के संबंध में क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राजेश सिंह राणा के प्रस्ताव पर भी माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा स्वीकृति देते हुए उक्त दुरूस्तीकरण कार्य के उपरांत इस उर्जा शिक्षा उद्यान को भी Net Zero किये जाने के संबंध में स्वीकृति दी गई है। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव द्वारा इन ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में ऑन ग्रिड सोलर संयंत्रों की स्थापना के लिए स्वीकृति दी गई है-

ऊर्जा शिक्षा उद्यान - रायपुर में 20 एवं 10 कि. वॉट अर्थात् कुल 30 कि.वॉ., ऊर्जा शिक्षा उद्यान - बिलासपुर में 20 कि.वॉ., ऊर्जा

शिक्षा उद्यान कोटमीसोनार (जांजगीर-चांपा) में 02 कि.वॉ., ऊर्जा शिक्षा उद्यान बस्तर में 5 कि.वॉ., ऊर्जा शिक्षा उद्यान कबीरधाम में 06 कि.वॉ., ऊर्जा शिक्षा उद्यान पाटन में 35 कि.वॉ., इन ऊर्जा शिक्षा उद्यानों में सोलर ऑन ग्रिड पावर प्लांट्स की स्थापना से दिन के समय उपयोग होने वाले समस्त विद्युत उपकरण सौर संयंत्रों से ही संचालित होंगे एवं अतिरिक्त बिजली CSPDCL के ग्रिड में चली जायेगी, जिसका समायोजन रात्रि में होने वाले विद्युत खपत में से हो पायेगा।

नूतन वर्ष पर त्रिदेव की पहाड़ी हनुमान भाटा पवई में जुटेगा आस्था का सैलाब

विधायक कलेक्टर एसपी ने तैयारी को लेकर की बैठक

पन्ना पवई नूतन वर्ष पर आस्था के स्थलों में जुटने वाली भीड़ को लेकर जिला प्रशासन तैयारी में जुट गया है बुंदेलखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक पन्ना जिले के पवई स्थित हनुमान भाटा पहाड़ी में नए वर्ष पर लाखों श्रद्धालु पवित्र पहाड़ी की एक हजार सीढ़ी चढ़कर हनुमान महाकालेश्वर तथा नरसिंह भगवान के महासंगम के अद्भुत दर्शन कर नए वर्ष का आगाज करते हैं पिछले वर्ष डेढ़ लाख लोगों ने हनुमान भाटा पहुंचकर दर्शन लाभ लिया था इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक श्रद्धालु पहुंचने की संभावना को देखते हुए पवई विधायक प्रहलाद लोधी की अध्यक्षता में पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार तथा पुलिस अधीक्षक साइ कृष्ण पवई पहुंचे तथा माता कलेही मंदिर परिसर में नगर के गण मान्य नागरिकों पत्रकार साथियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई तथा सभी से सुझाव लिए गए इस दौरान कलेक्टर सुरेश कुमार ने श्रद्धालुओं की सुलभता के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश दिए स्वच्छ पेयजल तथा स्वच्छता एवं मेले की व्यवस्था के लिए नगर परिषद पवई को महत्वपूर्ण दायित्व सोपा गया है इसी तरह पुरानी सड़क को आवागमन लायक तैयार करने के लिए वन विभाग को जिम्मेवारी दी गई, बैरिकेडिंग के लिए लोक निर्माण विभाग, निर्वात रूप से विद्युत व्यवस्था के लिए विद्युत वितरण कंपनी, सुरक्षा व्यवस्था तथा गाड़ियों की पार्किंग के लिए पुलिस विभाग, महिला सुरक्षा के लिए आईसीडीएस, तथा अन्य आवश्यक दायित्व भी अन्य विभागों को सौंपें गए

पवई की तीन दिशाओं में होगी वाहन पार्किंग...एसडीओपी विभिन्न दिशाओं से भीड़ के आवागमन को देखते हुए पवई एसडीओपी सौरव रत्नाकर ने बताया कि पन्ना तथा कटनी की ओर से आने वाले बड़े वाहनों की पार्किंग छत्रसाल स्टेडियम में रखी जाएगी मोहंदरा की ओर से आने वाले वाहनों की पार्किंग गोल्डन सिटी के मैदान पर रखी जाएगी, इसी तरह दो पहिया वाहन की पार्किंग बड़े पुल के पूर्व के मैदान पर होगी एसडीओपी ने बताया कि पतने नदी के पुल पर लगने वाले जाम को देखते हुए यहां पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा पूरे आवागमन क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से दो कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे यहां से ड्रोन के द्वारा चप्पे चप्पे नजर रखी जाएगी उपरोक्त बैठक में कलेक्टर द्वारा समस्त प्रशासनिक जिम्मेवारियां एस डी एम समीक्षा जैन, तहसीलदार प्रीति पंती सीएमओ नगर परिषद तबस्सुम बेगम, को सौपी है बैठक में रेंजर नितेश पटेल, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास डीसी अहिरवार,

एसडीओ पी डब्लू डी. एस.बागरी. उप यंत्री संजय खरे. ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर भदोरिया, नगर निरीक्षक त्रिवेंद्र त्रिवेदी, भाजपा मंडल अध्यक्ष निधि पटेरिया, सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे

शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यशाला डाइट में सम्पन्न

शाजापुर शाजापुर। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यशाला माध्यमिक कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के लिए 26 दिसम्बर, गुरूवार को डाइट शाजापुर जिले के सभी 35 जन शिक्षा केन्द्र के जनशिक्षक सहज कर्ता एवं एक माध्यमिक शिक्षक सह सहज कर्ता के रूप में कुल 70 प्रतिभागियों द्वारा उक्त कार्यशाला में प्रतिभागिता की गई। इस अवसर पर राज्य से पीपल संस्था के श्री देवेंद्र शर्मा, मुख्य रूप से उपस्थित रहें, इसके साथ ही डाइट शाजापुर से प्रशिक्षण प्रभारी डा. श्री बालेन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, व्याख्याता श्री अशोक कारपेंटर, नोडल शैक्षिक संवाद श्री महेश भैसानिया, श्री बी एल बैरागी, नोडल एपीसी श्री मेहरबान सिंह गुर्जर, नोडल बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता सहित शाजापुर के चारों विकास खण्ड शाजापुर, मो बडोदिया, शुजालपुर एवं कालापीपल के बीआरसी, नोडल बीएसी, जनशिक्षक सहज कर्ता और सह सहज कर्ता द्वारा सहभागिता की गई और 28 दिसम्बर को जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर होने वाले माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के शैक्षिक संवाद से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उक्त जानकारी नोडल बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता द्वारा दी गई।

आगंनवाड़ी केन्द्र मे मनाया वीर बाल दिवस

वीरो को किया याद।

खरगोन

कसरावद - आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 14 में श्रद्धा , गर्व और सम्मान के साथ वीर बाल दिवस कार्यक्रम मनाया गया । यह विशेष दिन सिखों के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी के दो पुत्र साहसी पुत्र 9 वर्षीय साहिबजादा जोरावर सिंह एवं 7 वर्षीय साहिबजादा फतेह सिंह की अप्रतिम वीरता बलिदान और साहस को स्मरण करने के लिए समर्पित है इस महान बाल वीरों ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर एक अमर मिसाल पेश की। कार्यक्रम में बच्चो को विभिन्न गतिविधियां बाल गीत, खेल कूद, वीर शहीदों की कहानियां ,और प्ले करवाये। गए । एवं वीर शहीदों के लिए 2 मिनट का मोन धारण कर याद किया गया । सुपर वाइजर रुखमनी यादव ने वीर बाल दिवस क्यों मनाया जाता है इसके बारे में विशेष महत्व बताया। इस दौरान कार्यकर्ता प्रमिला पाटीदार, रेखा सोलंकी ,शशिकला चतुर्वेदी, संगीता कनाडे ,संतोषी वर्मा, उपस्थित रहे।

धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह धार द्वारा जिले के सबसे कुख्यात व दुर्गम गाँव ग्राम भूतिया में ग्रामीणो के बीच जाकर सामुदायिक पुलिसिंग अंतर्गत खाटला बैठक आयोजित की

धार

धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 26.12.2024 को सामुदायिक पुलिसिंग अंतर्गत थाना टाण्डा क्षेत्र के कुख्यात लूट, डकैती के अपराधियों के निवास स्थान के लिए विख्यात, दुर्गम ग्राम भूतिया में खाटला बैठक आयोजित कर गांव के सरपंच, उपसरपंच, तडवी पटेल व ग्रामीणो से सम्पत्ति संबंधी अपराध जैसे- चोरी, लूट, डकैती, पशुचोरी आदि अपराध से दूर रहकर समाज की मुख्य धारा से जुडने की समझाईश देकर जीवन के मूल्यो के संबंध में एवं शिक्षा के महत्व की बाते बताते हुए अपने बच्चों को पढ़ाने- लिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही सामाजिक कुरितियों, महिलाओं के सम्मान व समाज की मुख्यधारा से जुडने वाले आपराधिक व्यक्तियों को विधि अनुसार आवश्यक कानूनी सहायता दिलवाने का भी आश्वासन दिया। खाटला बैठक

में उपस्थित समस्त ग्रामीणों को अपराधों एवं नशे से दूर रहने के संबंध में संकल्प दिलाया गया। उक्त खाटला बैठक में धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह के साथ अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनावर श्रीमति अनु बेनिवाल (भा.पु.से.), प्रशिक्षु आयुष जाखड़ (भा.पु.से.), अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कुक्षी श्री सुनिल गुप्ता, थाना प्रभारी टाण्डा निरीक्षक कमलेश सिंगार, थाना प्रभारी गंधवानी निरीक्षक अनिल कुमार जाधव, सायबर सेल प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल व टीम ,जनपद सदस्य श्री वीरसिंह, भूतिया सरपंच श्रीमति लालूबाई, ग्राम पटेल भूरला आदि उपस्थित रहे। सामुदायिक पुलिसिंग अंतर्गत पुलिस अधीक्षक धार द्वारा ग्राम भूतिया में की गई खाटला बैठक से ग्रामीण व आमजनता में धार पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए राय शुमारी भाजपा कार्यालय पर हुई

निर्वाचन पर्यवेक्षक सुधीर गुप्ता एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रामेश्वर शर्मा को पसंदीदा तीन-तीन नाम दिये

धार

धार। संगठन पर्व वर्ष 2024 के अंतर्गत जिला भाजपा अध्यक्ष के लिए राय शुमारी 26 दिसंबर गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें संगठन चुनाव पर्यवेक्षक मंदसौर सांसद श्री सुधीर गुप्ता और जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष रूप से पहुंचे इस दौरान एक कार्यशाला भी आयोजित की गई जिसमें संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम जिले के विधायक नीना वर्मा और कालू सिंह ठाकुर मंचासीन रहे। जिला अध्यक्ष के लिए राय शुमारी सभी अपेक्षित गण ने अपने पसंदीदा तीन-तीन नाम एक पर्ची में लिखकर जिला निर्वाचन अधिकारी को बंद कमरे में दिए। भाजपा जिला

अध्यक्ष मनोज सोमानी ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल विधायक रामेश्वर शर्मा ने जिला भाजपा अध्यक्ष के लिए निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी दी। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि राय शुमारी के लिए विभिन्न अपेक्षित श्रेणियां बनाई है जिसमें वर्तमान सांसद और पूर्व सांसद वर्तमान विधायक पूर्व विधायक वर्तमान जिला अध्यक्ष पूर्व जिला अध्यक्ष विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 भाजपा प्रत्याशी पूर्व निगम मंडल अध्यक्ष जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष जिले में नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष और जिला प्रतिनिधि गण समेत कुल 85 भाजपा नेता व पदाधिकारी राय शुमारी में शामिल हुए।

पीएमश्री कन्या उमावि थांदला में सायकल वितरण और छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

झाबुआ स्थानीय पीएम श्री विद्यालय में निशुल्क साइकिल वितरण एवं छात्र परिषद का शपथ विधि समारोह झाबुआ रतलाम सांसद श्रीमती अनिता चौहान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती चौहान ने शासन की जनहितैषी औरकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुवे छात्राओं से आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने का आव्हान कर उपस्थित पालकों से कहा कि वह अपने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल में भी आगे बढ़ाने में सहयोग करें। इस अवसर पर सांसद श्रीमती चौहान ने पीएम श्री कन्या उमावि की छात्रा परिषद को शपथ ग्रहण करवाई,कक्षा 9की अध्ययनरत 114छात्राओ को सायकल वितरित की साथ ही विद्यालय की आई सी टी लेब का उद्घाटन अटल टिकरींग एवं अतिरिक्त कक्ष का शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुर्व विधायक व भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कलसिंह भाबर ने प्रदेश सरकार बालिकाओं के कल्याणकारी योजनाओं के अधिक से अधिक लाभ लेकर आगे बढ़ने की बात कही गई। कार्यक्रम को भाजपा प्रदेश मंत्री संगीता सोनी , भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया नवनियुक्त भाजपा मंडल अध्यक्ष बंटी डामोर ने भी संबोधित किया। विद्यालय के प्रतिवेदन एवं मांग पत्र का वाचन प्राचार्य मंगल सिह नायक ने किया । कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा जनपद अध्यक्ष पोनी डामोर विधानसभा प्रभारी कमलेश दातला जिला योजना समिति सदस्य एवं पार्षद भूमिका सोनी माया सोलंकी अनिल भंसाली राजू धानक राकेश सोनी नटवर पवार सुनीता पंवार यशवंत बामनिया जालम डामोर सहित

अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्वाती आचार्य एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती किरण चौहान ने किया।

भारत रत्न विश्व में लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री जन नेता कि 100 वीं जयंती, हर्षोल्लास उत्साह के साथ मनाई

झाबुआ

थांदला मंडल भारतीय जनता पार्टी, द्वारा व उनके साथ कंचन सामाजिक सेवा संस्थान संपूर्ण भारत भारतीय गौरक्षा वाहिनी भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के संगठन के पदाधिकारियों ने बुधवार दोपहर 11 बजे अस्पताल परिसर में स्थित भाजपा जनसंघ के संस्थापक भाजपा के जन नायक विश्व के लोकप्रिय नेता अटल जी की प्रतिमा पर प्रदेश ,जिला संगठन के पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों कार्यकताओं ने पुष्प मालियां अर्पित कर नमन करते हुए अस्पताल में मरीजों को फल ,बिस्किट वितरण कर याद किया इस दौरान आजा जा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर जिला अध्यक्ष भानु भूरिया गोरक्षा प्रदेश महामंत्री अजा मोर्चे प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पार्षद राजू धानक, मंडल अध्यक्ष बंटी डामोर विश्वास सोनी ने आजाद भारत के पहले गेर कांग्रेसी विश्व के लोकप्रिय जन नेता भारत रत्न विश्व के लोकप्रिय प्रधानमंत्री बने उनके जीवन पर प्रकाश डाला, उनके बताए हुए सुषासन मार्ग पर चलने का कार्यकताओं ने संकल्प लिया, इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सुनिता पवार जनपद सदस्य जसवंत बामनिया नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री राजेश वसुनिया गोरक्षा जिला अध्यक्ष मोहनलाल यादव गो संरक्षक राधेश्याम रावल महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पिंकी पाठक , मंडल उपाध्यक्ष जीतूं राठौड़ पार्षदगण कन्नु मोर्या जगदीश प्रजापत , पूर्व पार्षद अमित शाह जी सुजित भाभर संजय भाबर अनिल भंसाली सुनील पणदा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती आरती सिसोदिया पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भूरिया आदि काफ़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे कार्यक्रम का सफल संचालन मंडल अध्यक्ष बंटी डामोर ने किया, आभार पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित बेरागी ने माना।

तहसील की कार्यप्रणाली से अभिभाषकों ने किया तहसीलदार का किया घेराव

तहसील न्यायालय के प्रकरणों में अनियमितता से अभिभाषक संघ हुआ नाराज

उज्जैन

खाचरौद तहसील न्यायालय में एक बार फिर अभिभाषकों की नाराज़गी देखने को मीली। गुरुवार दोपहर बाद अचानक सभी अभिभाषकगण अपने संघ अध्यक्ष प्रवीण पण्डिया को लेकर तहसीलदार अनील मोरे के सामने जा धमके, सभी अपनी अपनी समस्या लेकर सवाल जवाब करने लगे। तहसीलदार को अभिभाषको ने बताया कि फाइलों का तारीख पर नहीं मीलना, प्रकरण निराकरण में देरी होना, प्रकरणों में बीना तथ्य जाने एक पक्षीय कार्यवाही करना जैसी अनियमितता हो रही है जीसे लेकर बहस भी हुई।

अभिभाषक अध्यक्ष प्रवीण पण्डिया ने स्पष्ट रुप से चेतावनी देते हुए तहसीलदार अनील मोरे को कहा कि आगे से इस तरह की परेशानीया अभिभाषकों नहीं आना चाहिए जीससे आमजन भी परेशान होता है। तहसीलदार अनील मोरे ने अभिभाषकों को आश्वस्त किया की आपकी समस्या का निराकरण कर दिया जाएगा हम भी चाहते हैं कि पुराने पेंडिंग प्रकरणो की सुनवाई करके जिले में पहले स्थान पर खाचरोद तहसील आए। तहसीलदार के यहां अध्यक्ष प्रवीण पण्डिया सहित पूर्व अध्यक्ष प्रमोद देवड़ा, अशोक जैन,प्रवीण पांडिया ,विजरत अली हाशमी रजनीश उपाध्याय, मनीष शर्मा, शिराज मिर्जा, संदीप चौधरी,अभिषेक व्यास, उमाशंकर पाटीदार,पवन जोशी,प्रहलाद राठौड़ सहित महिला अभिभाषक भी मौजुद रही।

अमर शहीद बाल दिवेश के रूप में मनाया

उज्जैन

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संपूर्ण देश में 26 दिसंबर का दिन अमर शहीद बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसकी घोषणा देश के प्रधानमंत्री ने सन 2022 में की थी इस तारतम्य में आज नागदा ग्रामीण मंडल के तत्वाधान में भारतीय जनता युवा मोर्चा नागदा ग्रामीण मण्डल द्वारा राष्ट्रीय बाल दिवस पर कार्यक्रम शासकीय हाइ स्कूल टूटियाखेड़ी मैं आयोजित किया गया अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता सिख समुदाय के अनुयायि कार्यक्रम में सिख समुदाय के प्रमुख ज्ञानी आत्मा सिंह, प्रधान सरदार बलवीर सिंह, सचिव जोगेंदर सिंह नारंग द्वारा बलिदान दिवस पर समाज के सनातन धर्म के प्रति त्याग वह बलिदान को विस्तृत रूप से बताया गया वहां मौजूद समस्त जन समुदाय भाव विभोर हुआ। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राकेश यादव, युवा मोर्चा जिला महामंत्री भवानी सिंह देवड़ा, पूर्व मंडल अध्यक्ष लालसिंह आंजना,मण्डल अध्यक्ष गोवर्धन लाल परिहार, किसान मोर्चा अध्यक्ष अनिल शर्मा , पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष लखन गुर्जर , टूटियाखेडी सरपंच प्रतिनिधि परमानंद पांचाल, कलसी सरपंच कमलेश कुमावत , राजेश पांचाल , पीरूलाल सेन, श्याम जी शर्मा, संजय जैन , खुशपाल सिंह पंवार , मांगूसिंह पंवार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं स्कूल के समस्त स्टाफ मौजूद रहे । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नागदा ग्रामीण मण्डल युवा मोर्चा अध्यक्ष भरत लाल नंदेड़ा बेरछा ने की । एवं आभार महामंत्री परसराम जाट बुरानाबाद ने माना ।

हादसा या साजिश

बांग्लादेश के सचिवालय में लगी भीषण आग, सरकारी दस्तावेज जलकर खाक

ढाका. ढाका में बांग्लादेश सचिवालय की एक प्रमुख इमारत में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई, जिससे सरकारी दस्तावेज नष्ट हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों को आशंका है कि सरकारी दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से ही घटना को अंजाम दिया गया और इस संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। बांग्लादेश सचिवालय की इमारत संख्या सात में आग लगी और करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, नौ मंजिला इमारत में सात मंत्रालय मौजूद हैं। उच्च सुरक्षा वाले परिसर में बृहस्पतिवार सुबह आग लगी। हालांकि, आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जाहेद कमाल ने संवाददाताओं को बताया, ''कल (बुधवार) आधी रात के बाद इमारत में तीन स्थानों पर एक साथ आग लग गई।उन्होंने संकेत दिया कि आग संभवतः दुर्घटनावश नहीं लगी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे इमारत के अलावा अन्य मंत्रालयों को भी अपना सामान्य कामकाज रोकना पड़ा जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया, जिससे कई कर्मचारी परिसर में प्रवेश नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि इमारत संख्या सात की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर स्थित अधिकांश कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि स्थानीय प्रशासन, डाक एवं दूरसंचार मंत्रालयों के दस्तावेज और फर्नीचर जल गए। एक अधिकारी ने इमारत का दौरा करने के बाद बताया, ''आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किए गए पानी से कई दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचा।

इमारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कबूतर मरे हुए पाये गए और खिड़कियां टूटी हुई थीं।अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ महमूद सजीब भुइयां ने कहा, ''षड्यंत्रकारियों ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं की हैं।उन्होंने कहा कि जिन दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है, उनमें अपदस्थ आवामी लीग शासन के दौरान हुए लाखों डॉलर के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले कागजात और सबूत शामिल हैं। भुइयां ने कहा, ''अगर कोई भी हमें (भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में) विफल करने में संलिप्त पाया गया तो उसे (दंडात्मक कार्रवाई से) बचने का जरा सा भी मौका नहीं दिया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने वरिष्ठ नौकरशाहों, अग्निशमन सेवा और पुलिस अधिकारियों वाली सात सदस्यीय समिति का गठन किया। अतिरिक्त सचिव (जिला और क्षेत्रीय प्रशासन) मोहम्मद खालिद रहीम की अध्यक्षता वाली समिति को सात कार्य दिवसों के भीतर अपनी रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है।

हिम्मत को सलाम

आग और विमान के मलबे से खुद ही निकले खून से लथपथ यात्री

इंटरनेशनल डेस्क। कजाकिस्तान में हुए एक भयानक विमान हादसे ने दुनिया को स्तब्ध कर दिया, लेकिन इस त्रासदी में एक चमत्कार भी देखने को मिला। अज़रबैजान एयरलाइंस की उड़ान ह्व2-8243 के क्रैश होने के बावजूद कुछ यात्री सुरक्षित बच गए। इस हादसे में कम से कम 38 लोगों की जान चली गई, लेकिन बचे हुए यात्रियों की कहानियां किसी चमत्कार से कम नहीं हैं।

क्रैश से ठीक पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक यात्री, जो टोपी और दाढ़ी में दिख रहा है, शांति से अल्लाहू अकबर और शहादत पढ़ते हुए नजर आ रहा है।

वह अल्लाह से प्रार्थना कर रहा था और मानो अपनी नियति का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर रहा था। इस दौरान विमान के अंदर ऑक्सीजन मास्क लटकते दिखे और सीट बेल्ट के संकेत जल रहे थे। माना जा रहा है कि यह वीडियो उस यात्री ने अपनी पत्नी या परिवार के लिए रिकॉर्ड किया था। हादसे के बाद का एक और वीडियो सामने आया, जिसमें वही यात्री विमान के मलबे से बाहर निकलते हुए मुस्कुराता है और ओके का हाथ का संकेत देता है। उसके चेहरे पर केवल मामूली खरोंचें थीं। यह नजारा देखकर लोग चमत्कृत रह गए। विमान के चारों ओर आग की लपटें और घना काला धुआं उठ रहा था। वहीं, घायल यात्री खून से लथपथ स्थिति में विमान के धड़ से बाहर निकलते नजर आए। इस यात्री के चमत्कारिक रूप से बचने की खबर ने कई लोगों को गहराई से प्रभावित किया। इसने अल्लाह की दया और सुरक्षा के लिए आभार जताने वालों की संख्या बढ़ा दी। यह घटना दिखाती है कि भयंकर दुर्घटनाओं में भी जीवन की उम्मीद बची रहती है। अधिकारियों ने इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, विमान तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम काम कर रही है।

कनाडा के 200 से ज्यादा कॉलेज कर रहे भारतीयों की अमेरिका तस्करी, जांच शुरू

इंटरनेशनल डेस्क। प्रवर्तन निदेशालय ने कनाडा के 200 से ज्यादा कॉलेजों की जांच शुरू की है, जिन पर भारतीयों को अवैध रूप से अमरीका भेजने के रैकेट में शामिल होने का शक है। इस रैकेट के माध्यम से कई भारतीयों को अमरीका पहुंचाने के लिए कनाडा के कॉलेजों में दाखिला दिलाया जाता था, जबकि वे असल में कभी इन कॉलेजों में नहीं जाते थे। ईडी ने इस मामले में 10 और 19 दिसंबर को मुंबई, नागपुर, गांधीनगर और वडोदरा में आठ स्थानों पर छापेमारी की और 19 लाख रुपये के बैंक खाते फ्रीज कर दिए। साथ ही कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और दो वाहन भी जब्त किए गए।

यह मामला 19 जनवरी 2022 को कनाडा की सीमा पार कर रहे गुजरात के डिंगचा गांव के चार लोगों की मौत से जुड़ा हुआ है। इन लोगों की मौत अवैध रूप से कनाडा से अमरीका के रास्ते जाने के दौरान कड़ी ठंड में हुई थी। ईडी के अनुसार, इस रैकेट के सदस्य पहले भारतीयों को कनाडा के कॉलेजों में एडमिशन दिलवाते थे और फिर उनके लिए कनाडा स्टूडेंट वीजा का आवेदन करते थे। लेकिन, ये छात्र कभी कॉलेजों में दाखिला नहीं लेते थे। इसके बजाय, उन्हें अवैध रूप से कनाडा-अमरीका सीमा पार करवाई जाती थी। अमरीका पहुंचने के बाद, इन छात्रों से वसूली गई रकम वापस कनाडा के कॉलेजों के खातों में भेज दी जाती थी।

जांच में यह भी सामने आया कि इस रैकेट में शामिल लोग प्रत्येक व्यक्ति से 55 से 60 लाख रुपये तक की रकम वसूलते थे। इसके लिए विभिन्न देशों के कॉलेजों में छात्रों को दाखिल करवा कर और उनके लिए वीजा प्रोसेस करवा कर पैसे कमाए जाते थे। प्रवर्तन निदेशालय की जांच में यह भी पता चला कि यह रैकेट केवल कुछ ही कॉलेजों तक सीमित नहीं था। गुजरात में करीब 1700 एजेंट इस मामले में शामिल थे, और पूरे भारत में लगभग 3500 एजेंट सक्रिय थे। इनमें से करीब 800 एजेंट विशेष रूप से सक्रिय थे। ईडी ने यह भी खुलासा किया कि कनाडा के 112 कॉलेजों ने इस रैकेट से जुड़े एजेंटों के साथ समझौता किया था। साथ ही, 150 से अधिक अन्य कॉलेजों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। इन कॉलेजों के बारे में अभी और सबूत इकट्ठे किए जा रहे हैं।

चाय और कॉफी से कम होता है सिर और गले का कैंसर

शोध अध्ययन में हुआ खुलासा

नेशनल डेस्क. एक अध्ययन के अनुसार, चाय और कॉफी के सेवन से सिर, गर्दन, मुंह और गले के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। यह निष्कर्ष कैंसर पत्रिका में प्रकाशित किया गया है, जिसमें यह दावा किया गया है कि यदि व्यक्ति रोजाना तीन से चार कप कॉफी पीते हैं, तो सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत तक कम हो सकता है। वहीं एक कप चाय पीने से यह खतरा नौ प्रतिशत कम होता है।

इस अध्ययन में बताया गया है कि चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन और अन्य बायोएक्टिव तत्वों के एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। एक हालिया शोध में यह भी पाया गया है कि सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन स्वस्थ जीवन के लिए फायदेमंद हो सकता है।

अमेरिका के यूटा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन में कार्यरत इस अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका युआन-चिन एमी ली ने कहा- इससे पहले भी चाय और कॉफी के सेवन और कैंसर के जोखिम में कमी पर शोध हो चुका है, लेकिन इस अध्ययन में हमने सिर और गर्दन के कैंसर पर इन पेयों के अलग-अलग प्रभावों का विश्लेषण किया है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि कैफीन रहित कॉफी का भी सकारात्मक असर पड़ता है।

इस अध्ययन में करीब 9,550 सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों और 15,800 बिना कैंसर वाले लोगों से जुड़े 14 अलग-अलग अध्ययनों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने यह पाया कि जो लोग चार कप से अधिक कैफीनयुक्त कॉफी पीते थे। उनके सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत कम था। इसके अलावा इन लोगों में मुंह के कैंसर का खतरा 30 प्रतिशत कम और गले के कैंसर का खतरा 22 प्रतिशत कम पाया गया। साथ ही जिन लोगों ने तीन से चार कप कैफीनयुक्त कॉफी पी थी। उनका हाइपोफरीन्जियल कैंसर (गले के निचले हिस्से का कैंसर) का खतरा 41 प्रतिशत कम हो गया। दूसरी ओर कैफीन रहित कॉफी पीने से मुंह के कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम हो गया। चाय के सेवन से भी सिर, गर्दन और गले के कैंसर का खतरा कम हो सकता है। एक कप चाय पीने से सिर और गर्दन के कैंसर का खतरा नौ प्रतिशत और हाइपोफरीन्जियल कैंसर का खतरा 27 प्रतिशत कम हो जाता है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एक दिन में एक कप से यादा चाय पीने से लैरिंक्स (स्वरयंत्र) के कैंसर का खतरा 38 प्रतिशत अधिक हो सकता है।

अध्ययन के निष्कर्षों में विविधता शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि इस अध्ययन में जिन आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। वे मुख्य रूप से उत्तर अमेरिका और यूरोप के देशों से आए थे। इसलिए इन निष्कर्षों को अन्य देशों जैसे दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में समान रूप से लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इन क्षेत्रों में चाय और कॉफी पीने की आदतें अलग हो सकती हैं।

एमी ली ने कहा- कॉफी और चाय की आदतें हर जगह अलग-अलग हैं, और हमारे निष्कर्ष इस बात को रेखांकित करते हैं कि कैंसर के जोखिम को कम करने में चाय और कॉफी के प्रभाव पर और अधिक आंकड़ों और आगे के शोध की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित होगी सानवी सूद

नेशनल डेस्क. वीरवार यानि आज को राष्ट्रपति भवन में सानवी सूद प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित की जाएगी। इस साल बाल पुरस्कार के लिए देशभर से 17 बचों को चुना गया है, जिनमें पंजाब से 10 साल की सानवी सूद अकेली पर्वतारोही हैं। उन्हें यह सम्मान उनके पर्वतारोहण के अद्वितीय रिकॉर्ड के कारण दिया जा रहा है। सानवी ने एवरेस्ट बेस कैंप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और रूस की ऊंची चोटियों को फतेह कर देश का नाम रोशन किया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। सानवी ने पर्वतारोहण की यात्रा 9 जून 2022 में शुरू की थी और तब से उन्होंने लगातार नए माउंटेन चोटी चढ़ने की उपलब्धि हासिल की है। सानवी सूद ने अपनी पर्वतारोहण यात्रा की शुरुआत बहुत छोटी उम्र में की थी। साढ़े 7 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार एवरेस्ट बेस कैंप पर तिरंगा फहराया था। वह एवरेस्ट फिल्म से प्रेरित होकर माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंची थीं। सफर के दौरान उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जैसे रास्ते में बारिश और ऑक्सीजन की कमी, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने हौसले को कमजोर नहीं होने दिया। इसके बाद 23 जुलाई 2022 को उन्होंने अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी किलीमंजारो (5,895 मीटर) पर तिरंगा फहराया। उन्होंने यह चढ़ाई केवल 6 दिन में पूरी की। इसके बाद 27 मई 2023 को ऑस्ट्रेलिया की चोटी माउंट कोजिअस्को (2,228 मीटर) पर तिरंगा फहराया और फिर रूस की सबसे ऊंची चोटी एल्बुस (5,642 मीटर) को भी फतेह किया। सानवी ने रूस की चोटी पर 8 साल की उम्र में रिकॉर्ड स्थापित किया,

क्या साजिश के तहत हुआ कजाकिस्तान प्लेन क्रैश !

शक की सुई रूस पर, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इंटरनेशनल डेस्क। अजरबैजान एयरलाइंस के एक विमान की कजाकिस्तान के पास दुर्घटना ने सवालों को जन्म दिया है। प्रारंभिक जांच में पक्षियों के टकराने को हादसे का कारण बताया गया, लेकिन सोशल मीडिया पर यह चर्चा है कि यह घटना रूसी वायु रक्षा प्रणाली की गलती हो सकती है, जिसने विमान को यूक्रेनी ड्रोन समझकर निशाना बना लिया। अजरबैजान एयरलाइंस का एम्ब्रेयर ईएमबी 190 विमान, जो बाकू से रूस के ग्रोज़्नी के लिए उड़ान भर रहा था, बुधवार को कजाकिस्तान के पश्चिमी हिस्से अक्तौ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 67 यात्री और 5 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से 38 की मौत हो चुकी है। हादसा उस समय हुआ जब विमान आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति का इंतजार करते हुए अक्तौ एयरपोर्ट के ऊपर चक्कर लगा रहा था। इस हादसे के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें विमान में संदिग्ध छेद दिखाई दे रहे हैं। इन छेदों को छर्रे से हुए नुकसान के रूप में दर्शाया जा रहा है, जिससे अफवाहें फैल रही हैं कि विमान को रूस ने मार गिराया। हालांकि, इन वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चालक दल ने शुरू में कहा कि विमान को पक्षियों के झुंड ने टक्कर मारी, लेकिन बाद में बताया गया कि यह ऑक्सीजन टैंक में विस्फोट के कारण हुआ, जिससे विमान को गंभीर नुकसान हुआ। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब रूसी वायु रक्षा प्रणालियां ग्रोज़्नी में यूक्रेनी ड्रोन को रोकने की कोशिश कर रही थीं। फ्लाइट ट्रैकिंग डाटा से पता चला कि विमान पहले दागेस्तान के ऊपर उड़ रहा था, लेकिन अचानक ट्रैकर से गायब हो गया। एक घंटे बाद यह विमान कजाकिस्तान के ऊपर फिर से दिखाई दिया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे से पहले और बाद की फुटेज में विमान के अंदर की अफरातफरी साफ दिखाई दे रही है। एक वीडियो में यात्री घबराए हुए दिखाई दे रहे हैं और एक अन्य यात्री प्रार्थना कर रहा है। विदेशी रक्षा विशेषज्ञ जेम्स जे मार्लो ने अपुष्ट रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि यह घटना रूस की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा हुई गलती का परिणाम हो सकती है। हालांकि, इस मामले की अभी पूरी तरह से पुष्टि नहीं हो पाई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569